■ वैशाख कृष्ण - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 278 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 06-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आज देश में कांग्रेस की कहीं कोई जमीन नहीं बची : धामी

6 जलवायु परिवर्तन क्यों नहीं बनता चुनावी मुद्दा?

7 मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं हैं : सायंतनी घोष

फर्स्ट टेक

35 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को कुल 35 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से तीन पर तीन-तीन लाख रुपए का इनाम था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वालों में 16 साल की एक लड़की और 18 साल का एक लड़का शामिल है। उन्होंने बताया कि इन नक्सलियों को सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए पेड़ काटने तथा नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर और बैनर लगाने का काम सौंपा गया था।

लॉस एंजिलिस क्षेत्र में गोलीबारी में सात घायल

लांग बीच/एपी। लॉस एंजिलिस क्षेत्र में हुई गोलीबारी में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जाती है। पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट एक बयान में कहा कि लांग बीच के अधिकारियों को शनिवार रात करीब 11:15 बजे साउथ स्ट्रीट-पैरामाउंट बुलेवार्ड क्षेत्र में गोलीबारी होने की सूचना प्राप्त हुई। इसने कहा कि कम से कम सात लोग गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि इनमें चार लोगों की हालत गंभीर बताई जाती है।

भारत, घाना के बीच दोनों देशों की भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने पर सहमति बनी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और घाना अपनी भुगतान प्रणालियों - यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और घाना इंटरबैंक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (जीएचआईपीएसएस) को आपस में जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इससे उपयोगकर्ताओं को आपस में तत्काल, कम लागत वाले धन हस्तांतरण में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने डिजिटल रूपांतरण पर समझौता ज्ञापन की संभावनाओं, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार समझौते (एएफसीएफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर भी चर्चा की है।

सीआईएससीई की 10वीं, 12वीं कक्षा के नतीजे आज

नई दिल्ली/भाषा। काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) सोमवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सचिव जोसेफ इमैनुएल ने रविवार को बताया, आईसीएसई (10 वीं कक्षा) और आईसीएस (12वीं कक्षा) के परिणाम की घोषणा छह मई को दिन में 11 बजे की जाएगी।

06-05-2024 सूर्यास्त 5:56 बजे | 07-05-2024 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
73,878.15	22,475.85
(-732.96)	(-172.35)

सोना	चांदी
7,363 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	82,429 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दाल में काला

यदि संतुष्ट नहीं उत्तर से,
प्रश्न पूछने वाला है।
बारबार कहने पर भी जब,
उत्तर को यदि टाला है।
गोलमोल करके उत्तर को,
यदि प्रति प्रश्न उछाला है।
तब यह बात समझ लेना सब,
वहां दाल में काला है।।

भगवान राम की नगरी अयोध्या में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य रोड शो के दौरान लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और यात्रा मार्ग जयश्री राम और मोदी मोदी के नारों से गुंजायमान हो गया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी में रामलला के प्राणप्रतिष्ठा के बाद दूसरी बार राममंदिर में आकर भगवान राम के बालरूप की पूजा अर्चना की। उन्होंने रामलला की प्रतिमा के समक्ष दंडवत प्रणाम किया । इसके बाद उनका काफिला रोड शो के आरंभ स्थल सुग्रीव किला पर पहुंचा जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और इस सीट से तीसरी बार भाजपा की ओर से प्रत्याशी बनाये गये लल्लू सिंह के साथ साथ बाकी मंत्रीगणों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुलाकात के बाद मोदी फूलों से सजी खुली गाड़ी पर मुख्यमंत्री और अयोध्या से भाजपा उम्मीदवार के साथ सवार हुए। तीनों ने हाथ में कमल का निशान लिया और इस दौरान मौजूद लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इसके बाद रोड शो का शुभारंभ हुआ । दो किलोमीटर लंबे रोड शो के लिए मार्ग को 40 ब्लॉकों में बांटा गया और जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। संतो -महंतों और बटुको ने शंखध्वनि ने प्रधानमंत्री की अगवानी की।

धर्म के आधार पर बांटना चाहता हैं 'इंडि' गठबंधन : मोदी

शाही परिवार के वारिस के ही प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बनने की कुप्रथा चायवाले ने तोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को समाजवादी पार्टी के गढ़ इटावा में एक जनसभा के दौरान परिवारवाद पर तीखा हमला करते हुए कहा कि एक चायवाले ने शाही परिवार के किसी वारिस के ही पीएम और सीएम बनने की कुप्रथा को तोड़ दिया।

यहां आयोजित जनसभा के माध्यम से एक साथ तीन लोकसभा क्षेत्रों (इटावा, मैनपुरी और कन्नौज) के मतदाताओं को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की। जनसभा में परिवारवाद के खिलाफ मोदी जमकर गरजे और इस संकल्पना पर तीखा हमला करते हुए कहा इन परिवारवादियों की विरासत गाड़ी, बंगला, राजनीतिक रसूख है। कोई मैनपुरी, कन्नौज, इटावा को अपनी जागीर मानता है, कोई अमेठी रायबरेली को अपनी जागीर मानता है। मोदी की विरासत गरीब का पक्का घर है, मोदी की विरासत देश की करोड़ो माताओं-बहनों को मिला शौचालय है, मोदी की विरासत दलित गरीबों को मिली बिजली, गैस, नल की सुविधा है। मोदी की विरासत गरीबों को मिला मुफ्त राशन है, मुफ्त इलाज है, मोदी की विरासत आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बनाई गई नई शिक्षा नीति है, मोदी की विरासत तो सबकी है, सबके लिए है। कौन जानता है कि 2047 में आपका ही बेटा, बेटी प्रधानंत्री बने, मुख्यमंत्री बने। शाही परिवार का वारिस ही पीएम और सीएम बनेगा, ये कुप्रथा इस चायवाले ने तोड़ दी है।

सपा और कांग्रेस के वादों को झूठा बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इनकी बातें झूठी, वादे भी झूठे हैं। सपा कांग्रेस के नारे झूठे, और नीयत में भी खोट है। इन लोगों ने कोरोना संकट काल में भी लोगों को नहीं बख्शा था। देश के वैज्ञानिकों ने टीका बनाया, लेकिन सपा कांग्रेस के लोग उसको भी बदनाम करते थे। खुद चोरी छुपे टीके लगवाते थे और टीवी पर सोशल मीडिया पर लोगों को भड़काते थे, ताकि हाहाकार फैले और मोदी पर कलंक लगे। अब ये हमारा लोकतंत्र हमारे संविधान को लेकर झूठ फैलाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 75 साल पहले जब देश का संविधान बना तब बाबा साहेब अंबेडकर और खुद जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा, लेकिन अब सपा कांग्रेस और इनकी सारी कंपनी एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनकर उसे धर्म के आधार पर बांटना चाहते हैं।

अपहरण मामले में जद (एस) नेता

एच डी रेवन्ना को आठ मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता और पार्टी विधायक एच डी रेवन्ना को एक महिला के अपहरण और अवैध रूप से बंधक बनाने के मामले में रविवार को बेंगलुरु की एक अदालत ने आठ मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा के बेटे रेवन्ना को एक महिला के अपहरण और अवैध रूप से बंधक बनाने के मामले में जमानत याचिका खारिज होने के बाद शनिवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) की एक टीम ने गिरफ्तार कर लिया था। यह महिला तीन बच्चों की मां है। पीड़ित महिला के बेटे की शिकायत के आधार पर बृहस्पतिवार को 66 वर्षीय रेवन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

यहां बॉरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल में उनकी मेडिकल जांच के बाद रेवन्ना को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें एसआईटी की हिरासत में भेज दिया गया। रेवन्ना के बेटे एवं हासन से जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बड़ी संख्या में अश्लील वीडियो सार्वजनिक होने के बाद कर्नाटक राज्य महिला आयोग की प्रमुख नागलक्ष्मी चौधरी की सिफारिश पर कर्नाटक सरकार द्वारा एसआईटी का गठन किया गया था। भाजपा-जद(एस) के हासन लोकसभा उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना (33) पर दुष्कर्म और छेड़छाड़ का आरोप है।

आंध्र प्रदेश की रैली में राजनाथ सिंह ने कहा

'एक देश एक चुनाव' लागू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के केंद्र में दोबारा सत्ता में आने पर पूरे देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली लागू करेगा। कडप्पा जिले के जम्मलमाडुगु में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि उसकी भ्रष्ट प्रथाओं के कारण राज्य 13.5 लाख करोड़ रुपए के कर्ज में डूब गया है।

वाईएसआरसीपी पर निशाना साधते हुए, सिंह ने कहा कि लोग बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण सत्तारूढ़ दल से तंग आ चुके हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आंध्र प्रदेश में सत्ता में आता है, तो राज्य को भ्रष्टाचार से मुक्त कराया जाएगा।

पीओके के लोग स्वयं भारत में शामिल होना चाहेंगे

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा, लेकिन इसपर बलपूर्वक कब्जा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि इसके लोग कश्मीर में विकास को देखने के बाद स्वयं इसका (भारत का) हिस्सा बनना चाहेंगे। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्थिति में काफी सुधार हुआ है और ऐसा समय आएगा जब इस केंद्र शासित प्रदेश में 'अफस्पा' (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। हालांकि, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह विषय केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है और वह उपयुक्त निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव भी जरूर होंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के साथ ही लोकसभा चुनाव भी हो रहे हैं। हमारी प्रतिबद्धता है कि हम अगले पांच वर्षों में पूरे देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव लागू करेंगे।

मोदी सत्ता में लौटे तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राहुल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री क्यों बनेंगे? वह भारत के बेटे हैं, उनके परिवार ने भारत के लिए सब कुछ बलिदान कर दिया है।

मालदा (प.बंगाल)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को चेतावनी दी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तीसरा कार्यकाल देश की संवैधानिक अखंडता और लोकतांत्रिक ताने-बाने के लिए विनाशकारी साबित होगा। मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में पश्चिम बंगाल के सुजापुर में एक रैली में खरगे ने मोदी पर नफरत और ध्रुवीकरण से प्रेरित विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

वरिष्ठ एवं अनुभवी राज्यसभा सांसद ने कहा, ''अगर मोदी दोबारा सत्ता में आए तो संविधान को बचाया नहीं जा सकेगा और लोकतंत्र नष्ट हो जाएगा। भारत एक तानाशाह के शासन में होगा।''

खरगे ने जोर देकर कहा कि मोदी के शासन में आहार संबंधी प्राथमिकताओं सहित व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विकल्पों में कटौती की जा रही है, जो एक तानाशाही शासन की तस्वीर पेश करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को एक ही सिक्के के दो पहलू करार देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी लोगों पर खानपान की आदतें थोप रहे हैं। मोदी के भारत में, हर किसी को उनकी (मोदी की) इच्छा के अनुसार खान-पान और पूजा अनुष्ठान करना होगा।'' उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। भाजपा ने कटाक्ष किया था कि उन्हें (गांधी को) भारत के बजाय पाकिस्तान का नेतृत्व करना चाहिए।

खरगे ने कहा, ''राहुल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री क्यों बनेंगे? वह भारत के बेटे हैं, उनके परिवार ने भारत के लिए सब कुछ बलिदान कर दिया है।'' उन्होंने भाजपा पर चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भ्रष्टाचार करने और विपक्षी दलों के खिलाफ डराने-धमकाने की रणनीति का आरोप लगाते हुए मोदी और अमित शाह को अपने विरोधियों की छवि धूमिल करने और भाजपा की छवि चमकाने की एक भव्य योजना के संचालक के रूप में चित्रित किया।

बजरंग अस्थायी रूप से निलंबित

नई दिल्ली/भाषा। बजरंग पूनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे 'अंधेरे में' रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है। बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थायी निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था।

भाजपा एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म नहीं होने देगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संसद में जब तक भाजपा का एक भी सांसद है एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म नहीं होगा। तेलंगाना के कागजनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी भाजपा के शीर्ष नेता का एक फर्जी वीडियो साझा किया था।

शाह ने उनका एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाए जाने के मामले के संदर्भ में यह कहा।

शाह ने भरोसा जताया कि भाजपा तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीट में से 10 से अधिक पर जीत दर्ज करेगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के नेता राहुल गांधी अपने वोट बैंक के डर से राम मंदिर (में रामलला के नवीन विग्रह की) प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए, जबकि उन्हें निमंत्रण भेजा गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का वोट बैंक एक ही है।

हमास की युद्धविराम की मांग अस्वीकार्य : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एजेन्सी। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को पुष्टि की कि उनकी सरकार हमास के साथ युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है, जिस पर उन्होंने अस्वीकार्य मांग करने का आरोप लगाया है।

नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा, हमास लगातार अत्यधिक मांगें कर रहा है। उनकी मुख्य मांग है कि हम गाजा पट्टी से अपने सभी सैनिकों को वापस ले लें, युद्ध समाप्त करें और हमास को अकेला छोड़ दें। इजरायल इन शर्तों को स्वीकार नहीं कर सकता है।

इजराइल ने 'अल जजीरा' को देश में अपना कामकाज बंद करने का आदेश दिया

तेल अवीव/एपी। इजराइल ने कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक 'अल जजीरा' के देश में स्थित कार्यालयों को रविवार को बंद करने का आदेश दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने यह आदेश ऐसे वक्त दिया है, जब कतर गाजा में युद्ध को लेकर इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते में मदद कर रहा है।

इजराइल के इस आदेश के तहत प्रसारण उपकरणों को जब्त किया जाएगा, चैनल की रिपोर्ट के प्रसारण को रोका जाएगा और उसकी वेबसाइट को अवरुद्ध किया जाएगा। माना जाता है कि यह पहली बार है जब इजराइल ने किसी विदेशी समाचार संस्थान के कामकाज को रोक दिया है।

दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना है कांग्रेस का एजेंडा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 10 साल पहले देश में वोट बैंक, धर्म, और जाति की राजनीति होती थी लेकिन मोदी ने राजनीति की परिभाषा और संस्कृति को बदल दिया। यह मतदान 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए है...

सूरजपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस का एजेंडा दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर वोट बैंक, धर्म और जाति की राजनीति करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में राजनीति की ''परिभाषा और संस्कृति'' को बदल दिया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण करने के लिए दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। यह उनका एजेंडा और उद्देश्य है।

नड्डा ने दावा किया, (पूर्व प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। क्या आप ऐसी सरकार चाहते हैं? क्या आप उन्हें सबक सिखाएंगे?'' उन्होंने कहा, भीम राव अंबेडकर ने कहा था और यह संविधान में लिखा है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं होगा। इसका उद्देश्य सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना और सामाजिक व्यवस्था की रक्षा करना है, लेकिन कांग्रेस आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का कोटा छीनकर मुसलमानों को देने की कोशिश कर रही है।

नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी कभी भी दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण किसी को छीनने नहीं देंगे।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 10 साल पहले, देश में वोट बैंक, धर्म और जाति की राजनीति होती थी लेकिन मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा और संस्कृति को बदल दिया। यह मतदान सिर्फ एक सांसद चुनने के लिए नहीं है बल्कि 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए है।

नड्डा ने कहा, मोदी जी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के साथ काम किया। उन्होंने कांग्रेस पर भगवान राम और सनातन विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा वह देश विरोधी लोगों के साथ खड़ी है।

वायुसेना काफिला हमला: आतंकियों की तलाश जारी, पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के काफिले पर हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा और कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन और सेना तथा खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरनकोट क्षेत्र में हमला स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि सेना ने एक हेलीकॉप्टर के जरिये हवाई निगरानी भी की। शाहसितार के पास शनिवार शाम हुए हमले में वायुसेना के पांच कर्मी घायल हो गए और उनमें से एक ने बाद में एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों का सफाया करने के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शीनदारा टॉप समेत कई इलाकों में सेना व पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि हमले के बाद हमलावर जंगल में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने अधिकाधिक लोगों को हताहत करने के लिए एके असॉल्ट राइफलों के अलावा अमेरिका में निर्मित एम4 कार्बाइन और स्टील की गोलियों का भी इस्तेमाल किया। वायुसेना ने शहीद नायक की पहचान कॉरपोरल विक्की पहाड़े के रूप में की है और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वायुसेना ने कहा, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी और भारतीय वायुसेना के सभी कर्मी वीर कॉरपोरल विक्की पहाड़े को नमन करते हैं, जिन्होंने पुंछ सेक्टर में राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। शोक संतप्त परिवार के प्रति हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दुख की इस घड़ी में हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। अधिकारियों ने कहा कि सेना के पैरा कमांडो की अलग-अलग टीम को भी तलाशी अभियान में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के ठिकाने के बारे में अभी कुछ पता नहीं चला है। अधिकारियों ने कहा कि हमले के संबंध में पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। यह इस साल जम्मू क्षेत्र में पहली बड़ी आतंकवादी घटना है।

सीमावर्ती पुंछ जिले के साथ-साथ निकटवर्ती राजौरी में पिछले दो वर्ष में बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं। वर्ष 2003 और 2021 के बीच यह क्षेत्र शांतिपूर्ण रहा था।

पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा
अच्छी चल रही है चीन से बातचीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत-चीन सैन्य गतिरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दोनों पक्षों की वार्ता अच्छी चल रही है। उन्होंने लंबे समय से जारी विवाद के समाधान की उम्मीद जताई।

सिंह ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि भारत चीन से लगी सीमा पर तेज गति से बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं सुरक्षित रहेंगी। उन्होंने वार्ता प्रक्रिया की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया और कहा, बातचीत अच्छी चल रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें सकारात्मक परिणाम और दोनों सेनाओं के बीच लगभग चार साल से जारी तनातनी के खत्म होने की उम्मीद है, इस पर सिंह ने कहा, अगर कोई उम्मीद नहीं है, तो बातचीत क्यों हो रही है। उन्होंने कहा, उन्हें (चीनी पक्ष को) भी उम्मीद है और इसी लिए वार्ताएं हो रही हैं।

भारत और चीन की सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध जारी है और सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। हालांकि दोनों पक्ष कई विवादित बिंदुओं से पीछे हट गए हैं। रक्षा मंत्री ने पूर्वी लद्दाख गतिरोध को लेकर सरकार पर लगातार निशाना साधने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा, वे (कांग्रेस) भारतीय सैनिकों की बहादुरी पर सवाल उठा रहे हैं...आप किसका मनोबल गिरा रहे हैं? आपका इरादा क्या है? मैं भी 1962 की बात कर सकता हूं। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट आई। यह दशकों बाद दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

संविधान की प्रस्तावना नहीं बदलेगी भाजपा सरकार, आरक्षण रहेगा बरकरार : राजनाथ

राजनाथ साक्षात्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार कभी भी संविधान नहीं बदलेगी और न ही आरक्षण खत्म करेगी। उन्होंने कांग्रेस पर भय पैदा करने और वोट बैंक की राजनीति के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कांग्रेस पर यह अफवाह फैलाने का आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में रही तो संविधान बदल देगी। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा अगर सत्ता में रही तो वह संविधान को फाड़कर फेंक देगी। कांग्रेस के कुछ अन्य पदाधिकारियों ने आशंका जताई है कि भाजपा संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटा सकती है। रक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस ने संविधान में 80 बार संशोधन किए। उन्होंने आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में बदलाव किया।

सिंह ने कहा, भाजपा संविधान नहीं बदलेगी। संविधान निर्माताओं ने कभी नहीं सोचा था कि प्रस्तावना में कोई बदलाव होगा। आपने (कांग्रेस) संविधान के मूल विचार को चोट पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा, संविधान की प्रस्तावना को बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने इसे बदल दिया और अब वे हम पर निराधार आरोप लगा रहे हैं।

भारत के संविधान की प्रस्तावना संविधान के सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है। साल 1976 में 42वें संशोधन के तहत भारत के परिचय को संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य से संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य में बदल दिया गया था।

सिंह ने कहा, वे (कांग्रेस) नागरिकों में डर पैदा करके लोगों का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सुझाव देना चाहता हूं कि उन्हें विश्वास पैदा करके लोगों का समर्थन हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए, न कि डर पैदा करके। चुनावी अभियान तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।

शुक्रवार को राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत के लोकतंत्र पर लगातार हमला कर रहे हैं तथा देश के संविधान को नष्ट करना चाहते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस भय का माहौल पैदा कर रही है और वोट बैंक की राजनीति के लिए गलत सूचना फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे पर भी कांग्रेस देश को गुमराह कर रही है।

सिंह ने कहा, कांग्रेस लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। आरक्षण खत्म नहीं होगा। वे हम पर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

दो साल में आवास ऋण बकाया 10 लाख करोड़ रुपए बढ़ा : आरबीआई आंकड़े

नई दिल्ली/भाषा। आवास क्षेत्र के लिए बकाया ऋण पिछले दो वित्त वर्षों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपए बढ़कर इस साल मार्च में रिकॉर्ड 27.23 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च, 2024 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण पर आंकड़ों के अनुसार आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) के लिए बकाया ऋण मार्च, 2024 में 27,22,720 करोड़ रुपए था। यह आंकड़ा मार्च, 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपए और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपए था।

इंदौर में बेअसर रहेगी कांग्रेस की 'नोटा' की अपील : विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस पर पिछले 10 साल से लगातार नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए मध्यप्रदेश के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को कहा कि इंदौर लोकसभा क्षेत्र में चुनावी दौड़ से बाहर हुए प्रमुख विपक्षी दल की ''नोटा'' की अपील बेअसर रहेगी।

कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने इंदौर में पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। इसके बाद कांग्रेस ने बाकायदा अभियान शुरू करके मतदाताओं से अपील करनी शुरू कर दी है कि वे भाजपा को सबक सिखाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) पर बटन दबाएं।

विजयवर्गीय ने संवाददाताओं से कहा, इंदौर में नोटा के लिए कांग्रेस का आह्वान 100 प्रतिशत नकारात्मक है। इस आह्वान पर मुझे कोई आश्चर्य नहीं है क्योंकि कांग्रेस पिछले 10 साल में देश भर में नकारात्मक राजनीति कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इंदौर में कांग्रेस की ''नोटा'' की अपील का मतदाताओं पर कोई असर नहीं होगा और निवर्तमान सांसद व भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी आठ लाख मतों से ज्यादा के अंतर से चुनाव जीतेंगे।

राहुल में कोई 'आग' नहीं, लेकिन हिंदू-मुस्लिम विभाजन की कोशिश कर आग से खेल रही है कांग्रेस: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी में कोई 'आग' नहीं है जबकि उनकी पार्टी चुनावी फायदे के लिए हिंदू-मुस्लिम विभाजन की कोशिश कर आग से खेल रही है।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में यह संकेत भी दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसी बड़ी योजनाओं पर अमल करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीटों का आंकड़ा पार करेगा और भाजपा को 370 से अधिक सीट मिलेंगी क्योंकि यह अनुमान जमीनी स्थिति के विस्तृत मूल्यांकन के बाद लगाया गया है।

संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य पर बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, वे चुनावी फायदे के लिए हिंदू-मुस्लिम विभाजन का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना चाहती है। वे मुस्लिम समुदाय को केवल वोट बैंक के रूप में देखते हैं। मैं उन्हें सुझाव देना चाहता हूं - राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं की जानी चाहिए। राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण होना चाहिए।

सिंह ने कहा, राहुल गांधी में कोई 'आग' नहीं है, लेकिन कांग्रेस आग से खेल रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास जताएंगे और पिछले पांच साल में सरकार के प्रदर्शन के आधार पर भाजपा की सीटों की संख्या में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हमारी सीट बढ़ेंगी और तमिलनाडु में हमें कुछ सीट मिलेंगी। केरल में भी हमारा खाता खुलेगा। हम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी अच्छी-खासी सीट जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 370 का आंकड़ा पार करेगी।

व्यापारिक जहाजों को समुद्री डाकुओं से बचाने पर राजनाथ ने कहा- नौसेना ने 'करिश्मा' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदेशी जलक्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को समुद्री डाकुओं से बचाने में मदद के लिए चलाए गए विभिन्न अभियानों को लेकर नौसेना की खुले दिल से सराहना की और कहा कि उसने करिश्मा कर दिखाया है।

सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार के दौरान दूसरे विमानवाहक पोत के निर्माण के लिए नौसेना के प्रस्ताव पर सकारात्मक रूप से विचार करने के संकेत भी दिए।

नौसेना ने 45,000 टन वजनी दूसरे स्वदेशी विमान वाहक पोत के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। लगभग 40 हजार करोड़ रुपए की लागत वाले स्वदेशी विमान वाहकों में आधुनिक विशेषताएं होंगी। उन्होंने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने का विश्वास जताते हुए कहा कि नई सरकार का ध्यान भारत को रक्षा क्षेत्र में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने पर होगा। सामरिक जलमार्गों में नौसेना के अभियानों पर सिंह ने कहा कि बल प्रशंसा का पात्र है। सिंह ने कहा, भारत की नौसेना ने करिश्मा किया है। नौसेना को बधाई।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स को 2023-24 में मिलीं रिकॉर्ड पेटेंट मंजूरियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख घरेलू कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद और प्रक्रिया नवोन्मेषण से संबंधित रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम को 674 मंजूरियां मिलीं, जो उसका किसी एक साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं, टाटा मोटर्स को भी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 333 पेटेंट मंजूरियां मिली हैं।

एमएंडएम ने कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 674 पेटेंट मिले हैं। एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वाहन एवं कृषि क्षेत्र) राजेश जेजुरिकर ने कहा, हम भविष्य के लिए तैयार रहने के महत्व को समझते हैं, इसलिए हमने प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के मामले में आगे रहने के लिए शोध एवं विकास में व्यापक निवेश सुनिश्चित किया है। एमएंडएम को अभी तक विभिन्न खंडों में 1,185 पेटेंट मिले हैं।

कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 तक 193 आवेदन पेटेंट मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। कुल मिलाकर, इसने अबतक 2,212 पेटेंट आवेदन किए हैं। टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष के दौरान 333 पेटेंट की मंजूरियां मिलीं, जो एक साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। अब उसके स्वीकृत पेटेंट की कुल संख्या 850 से अधिक हो गई है।

भारत का एडीबी से वृद्धि, साझा समृद्धि को नजरअंदाज न करने का आग्रह

त्बिलिसी (जॉर्जिया)/भाषा। भारत ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से आग्रह किया कि वह एशिया प्रशांत क्षेत्र में सदस्य देशों के लिए सतत वृद्धि को बढ़ावा देने के साथ-साथ शेष गरीबी को कम करने को नजरअंदाज न करे। एडीबी की 57वीं वार्षिक बैठक में 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स बिजनेस सत्र' में हस्तक्षेप करते हुए भारत के अस्थायी वैकल्पिक गवर्नर विकास शील ने कहा कि बैंक ने वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं की चुनौतियों और वितरण को प्रभावी ढंग से संबोधित करते हुए तेजी से आर्थिक वृद्धि के उपायों को मजबूती देने, गरीबी को कम करने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम चिंता के साथ देखते हैं कि आर्थिक वृद्धि और शेष गरीबी से निपटने को अपनी रणनीति 2030 की समीक्षा में एडीबी के बढ़े हुए फोकस क्षेत्रों में जगह नहीं मिली है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज चालू वित्त वर्ष में लाएगी 30,000 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजनाएं : पिरोजशा गोदरेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की योजना चालू वित्त वर्ष (2024-25) में प्रमुख शहरों में 30,000 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजनाएं लाने की है। कंपनी के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि भारी मांग के बीच कंपनी का लक्ष्य बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत वृद्धि पाने की है। पिरोजशा ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा, हमने चालू वित्त वर्ष के लिए 27,000 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य दिया है, जो 2023-24 में उच्च आधार से 20 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग 84 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 22,527 करोड़ रुपए हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 12,232 करोड़ रुपए थी। यह पिछले वित्त वर्ष के लिए किसी भी सूचीबद्ध इकाई द्वारा दर्ज की गई अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। पिरोजशा ने कहा कि आवास खंड में, खासकर प्रतिष्ठित ब्रांड्स में मांग मजबूत बनी रहेगी। उन्होंने कहा, यह (2023-24 वित्तीय वर्ष) कुल मिलाकर एक शानदार वर्ष था, चाहे आप नई परियोजना, बिक्री, ग्राहकों से संग्रह, व्यवसाय विकास, परियोजनाओं की आपूर्ति, नकदी प्रवाह और लाभ को देखें। कारोबार में जिस तरह की गति आ रही है, उसे देखकर हम वास्तव में उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में आवास की मांग बनी रहेगी।

इस मांग को पूरा करने के लिए पिरोजशा ने कहा कि कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलूरु, पुणे और हैदराबाद के बाजारों के लिए कई परियोजनाएं शुरू करने के लिए तैयार रखी हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में छह परियोजनाएं शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

निवेशकों की प्रस्तुति के अनुसार, गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष में 30,000 करोड़ रुपए के अनुमानित बिक्री बुकिंग मूल्य के साथ 2.19 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में परियोजना पेश करने की योजना बनाई है।

पिरोजशा ने कहा कि न केवल नई परियोजनाएं और बिक्री, बल्कि कंपनी भविष्य के विकास के लिए भूखंडों का अधिग्रहण भी जारी रखेगी और परियोजनाओं की आपूर्ति भी बढ़ाएगी।

कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने पार्टी में 'नाइंसाफी' के कारण दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया कि अयोध्या में रामलला के दर्शन करने को लेकर उनकी आलोचना इस स्तर तक पहुंच गई कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कार्यालय में उनके साथ हुई घटना में उन्हें न्याय देने से इंकार कर दिया गया।

छत्तीसगढ़ के लिए कांग्रेस की संचार और मीडिया समन्वयक खेड़ा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को संबोधित अपना इस्तीफा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया। इस्तीफे में खेड़ा ने लिखा, हर हिंदू के लिए प्रभु श्री राम की जन्मस्थली पवित्रता के साथ बहुत मायने रखती है। रामलला के दर्शन मात्र से जहां हर हिंदू अपना जीवन सफल मानता है, वहीं कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। मैंने जिस पार्टी को अपने 22 साल से ज्यादा दिए, जहां एनएसयूआई से लेकर एआईसीसी के मीडिया विभाग में पूरी ईमानदारी से काम किया, आज वहां ऐसे ही तीव्र विरोध का सामना मुझे करना पड़ा है, क्योंकि अयोध्या में राम लला के दर्शन से खुद को रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा, मेरे इस पुनीत कार्य का विरोध इस स्तर तक पहुंच गया कि मेरे साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुए घटनाक्रम में मुझे न्याय देने से इंकार कर दिया गया। खेड़ा ने कहा कि वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे रही हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि 30 अप्रैल को रायपुर में पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा के दौरे को लेकर खेड़ा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार प्रकेष्ठ के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के बीच बहस हुई थी।

कर्नाटक के हरिहर में एक चुनावी रैली में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

मोदी फिर कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते : सिद्दरामैया

इस लोकसभा चुनाव में पूरे देश में मोदी विरोधी लहर उठी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिहर। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने उम्मीद जताई है कि बीजेपी ने खुद मान लिया है कि इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी और मोदी विरोधी लहर प्रबल है। इसलिए इस बार मोदी फिर प्रधानमंत्री नहीं बन सकते और बीजेपी की हार तय है। उन्होंने रविवार को दावणगेरे लोकसभा चुनाव के 'प्रजाध्वनि-02' कार्यक्रम में भाग लिया और पार्टी उम्मीदवार प्रभा मल्लिकार्जुन की ओर से मतदाताओं से वोट मांगते हुए अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के 25 सांसदों ने कभी कर्नाटक के अन्याय पर सदन में सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि यह जानते हुए भी कि पिछले बीजेपी सांसद नहीं जीत सके, बीजेपी ने इस बार खुद ही कई लोगों को बाहर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जैसा कहती है वैसा काम करने वाली सरकार है। हरिहर क्षेत्र में पेयजल परियोजना और लगभग 5 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराने के लिए एटा सिंचाई परियोजना चुनाव के बाद शुरू की जाएगी।

मैं बातूनी हूं, कांग्रेस सरकार जैसा कहती है वैसा काम करने वाली सरकार है। हमने 8 महीने के भीतर पांच गारंटी लागू की हैं क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि वे पांच गारंटी लागू करेंगे। अन्नभाग्य, गृह ज्योति, गृहलक्ष्मी, युवानिधि और शक्ति योजनाओं ने लोगों की प्रशंसा हासिल की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अन्नभाग्य, क्षीरभाग्य, रैयत साल मन्ना, इंदिरा कैंटीन, जूता भाग्य, शादी भाग्य जैसी जन हितैषी योजनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा जातियों और धर्मों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का काम कर रही है। 'उन्होंने नफरत की राजनीति करके लोगों के कल्याण की उपेक्षा की है। मोदी ने बड़ा झूठ बोला है कि कांग्रेस दलितों को और पिछड़ों को मुसलमानों को आरक्षण देगी। मैंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इस पैमाने पर झूठ बोलता हो।' मोदी दलितों को मुसलमानों के खिलाफ, दलितों को और अल्पसंख्यकों को पिछड़ों के खिलाफ खड़ा करने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने आलोचना की कि जब चुनाव आता है तभी मोदी कहते हैं 'सबका साथ, सबका विकास'लेकिन बीजेपी और आरएसएस ने आरक्षण का समर्थन नहीं किया।

इसलिए उनमें आरक्षण के बारे में बात करने की कोई नैतिकता नहीं है।' मंडल रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लाने का विरोध किया। भाजपा मंडल पंचायतों और नगर परिषदों में महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने का विरोध कर रही थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण देने को बरकरार रखा।

उन्होंने कहा कि 'जब तक हमारी सरकार रहेगी, लोगों की आकांक्षाएं पूरी की जाएंगी। हमारी पार्टी के उम्मीदवार की जीत पूर्व में उगते सूरज की तरह सच्ची है।' विनय कुमार हमें परेशान करने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में खड़े हैं। वे जीतेंगे नहीं, क्योंकि वे बीजेपी से जुड़े हुए हैं। कनक गुरुपीठ के निरंजनानंदपुरी स्वामी और मैंने विनय कुमार से बात की और जब मैंने उन्हें न रुकने की सलाह दी, तो वह सहमत हो गए। फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, तय करें कि आप कर्नाटक में मुझे चाहते हैं या विनय कुमार को।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझेशक्ति देने का आह्वान करते हुएकहा कि मालूम हो कि मैं चुनाव में खड़ा हूं। कांग्रेस उम्मीदवार के लिए वोट सिद्दरामैया के लिए वोट है। अत: सभी वोट दें। उन्होंने कहा कि हमारे उम्मीदवार संसद के पास आपके पक्ष में बोलने की शक्ति रखते हैं। इसके लिए हमारे उम्मीदवार को आशीर्वाद दें।

अपहरण का आरोप :

रेवन्ना ने गिरफ्तारी को राजनीतिक साजिश करार दिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में होलेनरसीपुरा के विधायक एच.डी. रेवन्ना ने रविवार को एक महिला के अपहरण के आरोप में अपनी गिरफ्तारी को राजनीतिक साजिश करार दिया। इस मामले में रेवन्ना के बेटे प्रज्ज्वल पर महिला का यौन शोषण करने का आरोप है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे एवं पूर्व मंत्री रेवन्ना पर एक महिला के अपहरण और अवैध रूप से उसे बंधक बनाने का आरोप है जो तीन बच्चों की मां है। महिला के बेटे ने बृहस्पतिवार को शिकायत दर्ज कराई थी। रेवन्ना ने दावा किया कि इस मामले में उनकी संलिप्तता का कोई सबूत नहीं है।

रेवन्ना ने बॉरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, दो मई की शिकायत से संबंधित कोई सबूत नहीं हैं। यह एक बड़ी राजनीतिक साजिश है... मेरे खिलाफ साजिश रची गई। अदालत में पेश करने से पहले एसआईटी द्वारा रेवन्ना को मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल लाया गया था। एसआईटी रेवन्ना के बेटे और हासन से जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही है।

प्रज्ज्वल द्वारा कथित तौर पर कई महिलाओं के साथ यौन शोषण करने वाले वीडियो बड़ी संख्या में वायरल हुए हैं।

रविवार को बेलगावी में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके

कांग्रेस सरकार प्रज्ज्वल की दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जद (एस) नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार बनाई गईं महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की मौजूदगी में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मांग की थी कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। सुरजेवाला ने कहा, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सैकड़ों की संख्या में दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता की घोषणा की है, क्योंकि यह एक विशिष्ट मामला है जो पिछले 75 वर्षों में कभी नहीं हुआ है। हासन लोकसभा क्षेत्र से जद (एस)-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्ज्वल पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के भतीजे हैं।

सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके गठबंधन सहयोगी जद (एस) उम्मीदवार को बचाने का आरोप लगाया। प्रज्ज्वल पर कई महिलाओं से दुष्कर्म का आरोप है। उन्होंने पूछा, प्रज्ज्वल के बारे में जानकारी होने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने जद (एस) के साथ गठबंधन क्यों किया? सिद्दरामैया ने यह भी जानना चाहा कि विदेश मंत्रालय ने प्रज्ज्वल को विदेश भागने से क्यों नहीं रोका। सुरजेवाला ने सवाल किया, प्रधानमंत्री ने प्रज्ज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द क्यों नहीं किया और उसे वापस लाने के लिए इंटरपोल के माध्यम से कोई ब्लू कॉर्नर नोटिस क्यों जारी नहीं किया गया? इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रज्ज्वल को वापस लाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाएगा।

देश का नेतृत्व मोदी को सौंपने का फैसला कर लिया है मतदाताओं ने : बोम्मई

➡ इस चुनाव में मेरा काम बोलेगा ➡ बोम्मई को बड़े अंतर से जीत की उम्मीद है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व को देश की सत्ता सौंपने का मन बना लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री और गदग-हावेरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने कहा कि इस चुनाव में उनके काम बोलेंगे और उन्हें अच्छे अंतर से चुनाव जीतने की उम्मीद है। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में तीसरे चरण और राज्य में दूसरे चरण के मतदान के लिए प्रचार का आखिरी दिन है। इस बार प्रचार के लिए 35 दिन मिले। मतदाता परिपक्व थे और चल रहे चुनाव के महत्व को जानते थे। उन्होंने देश को उन नेताओं को सौंपने का फैसला किया है जो देश को कुशलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम थे। पिछले दस वर्षों में मोदी के प्रदर्शन को देखते हुए समाज के सभी वर्ग के लोग उनका समर्थन कर रहे हैं। इस चुनाव में महिलाएं बड़ी संख्या में समर्थन कर रही थीं और वे बीजेपी को वोट देंगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनके द्वारा किये गये कार्यों को हर गांव के लोग याद करते हैं। उदाहरण के लिए, वह शनिवार को राणेबेन्नूर में थे और ऊपरी तुंगा परियोजना परियोजना लागू की गई है और इससे भूमि सिंचित होने के साथ-साथ भूमिगत जल स्तर भी रिचार्ज हुआ है। इसी तरह, मेडलेरी के ग्रामीणों ने 32 करोड़ रुपये की लागत से तालाब भरने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। थुम्मनकट्टे में एक परिवार ने जुड़वां बच्चों के इलाज के लिए 40 लाख रुपये जारी करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिससे उनकी जान बच गई। उनके द्वारा किए गए काम पर कई लोगों ने अपनी खुशी साझा की। लोग हावेरी में मेडिकल कॉलेज, दूध डेयरी और विश्वविद्यालय के बारे में बात करते हैं। इस चुनाव में उनका काम बोलेगा और जनता उन्हें बड़े अंतर से चुनेगी। भाजपा प्रत्याशी ने पूर्व विधायक नेहरू ओलेकर के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि उनके साथ उनके अच्छे संबंध हैं लेकिन पिछले चुनाव में संवादहीनता हो गयी। उस वक्त उन्होंने अलग रुख अपनाया और बीजेपी पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। लेकिन इसे कोई बदल नहीं सकता और केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इसे दोहराया है। इस संबंध में कांग्रेस नेता अफवाह फैला रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पांच गारंटी महज 35 फीसदी लोगों तक ही पहुंच पायी है। महिला मतदाता परिपक्व थीं और उन्हें पता था कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव में उन्हें किसे वोट देना है। गरीब कल्याण योजना के तहत लगभग 80 करोड़ गरीब परिवारों को भारत सरकार से मुफ्त चावल मिल रहा था। राज्य सरकार ने दावा किया कि वह गारंटी पर 58000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है लेकिन लोग देख रहे हैं कि उन्हें क्या मिलेगा। गारंटियों की ग्राउंड रिपोर्ट बिल्कुल अलग थी। लोगों ने गारंटी के वादे के कारण कांग्रेस को वोट दिया लेकिन यह कभी हकीकत नहीं बन सका। गारंटी कार्यान्वयन की विफलताएं भाजपा के लिए अतिरिक्त लाभ होंगी। मैंने अपने कामों के बारे में बात की है लेकिन सत्तारूढ़ कांग्रेस ने पिछले एक साल में कुछ नहीं किया है। इस कारण से, उन्होंने चौम्बू अभियान शुरू किया जो एक नकारात्मक अभियान है।

उन्होंने कहा कि गदग-हावेरी जिलों में पेयजल संकट के कारण इस चुनाव में पेयजल का मुद्दा प्रमुखता से सुना गया। भाजपा सरकार ने गदग के लिए 140 करोड़ रुपये की पेयजल योजना बनाई थी, लेकिन मौजूदा कांग्रेस सरकार ने चल रहे सभी कार्यों को रोक दिया है।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मुद्दे पर 'चुप्पी' तोड़ें प्रधानमंत्री मोदी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े कर्नाटक के कथित सेक्स स्कैंडल पर रविवार को अपनी 'चुप्पी' तोड़ने की अपील करते हुए कहा कि उसकी महिला शाखा तब तक आवाज उठाती रहेगी जब तक कि प्रज्ज्वल को कानून का सामना करने के लिए भारत वापस नहीं लाया जाता। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने इस मामले पर चुप रहने के लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा की आलोचना भी की।

अलका लांबा ने यहां दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज देश की आधी आबादी यह मांग कर रही है कि स्मृति ईरानी और रेखा शर्मा अपनी चुप्पी तोड़। लांबा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मामले पर चिंता व्यक्त की है और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस सिलसिले में सख्त कार्रवाई के लिए कहा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, अपनी चुप्पी तोड़ें। जब तक प्रधानमंत्री मोदी प्रज्ज्वल रेवन्ना को जर्मनी से लाकर कर्नाटक सरकार को नहीं सौंप देते, तब तक महिला कांग्रेस देश के कोने-कोने से अपनी आवाज बुलंद करेगी। हम ही नहीं देश की आधी आबादी (महिलाएं) आपसे सवाल पूछेगी। महिला कांग्रेस हर जगह प्रधानमंत्री मोदी का 'घेराव' करेगी क्योंकि हम आपकी सत्ता और पुलिस तंत्र से नहीं डरते।

लांबा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने अपनी कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष को पत्र लिखकर प्रज्ज्वल रेवन्ना की 'सामूहिक दुष्कर्म मामले' में संलिप्तता के बारे में सूचित किया था। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को उनके हजारों 'अश्लील' वीडियो के बारे में पहले से ही पता था।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, फिर भी प्रधानमंत्री मोदी प्रज्ज्वल रेवन्ना के लिए वोट मांगते हैं और प्रज्ज्वल तथा उनके पिता एच डी रेवन्ना के साथ खड़े नजर आते हैं।

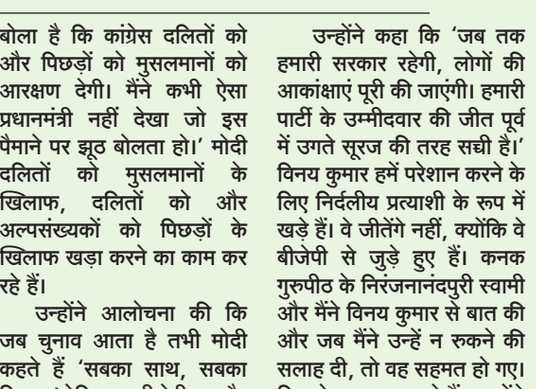

सुरक्षा

रविवार को बेंगलूरु के पैलेस रोड स्थित सीआई कार्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। यहां विधायक रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी टीम ने उनसे पूछताछ कर रही है।

पन्नीरसेल्वम ने कांग्रेस नेता की हत्या को लेकर द्रमुक सरकार पर साधा निशाना

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने कांग्रेस पार्टी की तिरुनेलवेली पूर्वी जिला इकाई के अध्यक्ष केपीके जयकुमार धनसिंह की हत्या की निंदा करते हुए रविवार को मांग की कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन राज्य में कानून व्यवस्था के मुद्दों पर विशेष ध्यान दें तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें। अखिल भारतीय अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की कार्यकर्ता अधिकार पुनर्प्राप्ति समिति के प्रमुख पन्नीरसेल्वम ने द्रमुक सरकार पर इस घटना के सिलसिले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है, जिससे राज्य असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। पन्नीरसेल्वम ने दावा किया, कांग्रेस नेता को जलाकर मार दिया जाना इस बात को साबित करता है कि राज्य असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि अनेक महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है और हासन लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार को भारत वापस लाने के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। किसी अपराध के संबंध में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय द्वारा किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अपने सदस्य देशों से अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है।

मंत्री ने कहा कि 'सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) इस बात पर फैसला करेगा कि प्रज्ज्वल को कैसे वापस लाया जाए। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, पहले ही ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जा चुका है। इंटरपोल सभी देशों को सूचित करेगा और उनका पता लगाएगा।

मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी के काम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि टीम अपना काम कर रही है और उसने शिकायतों पर कानून के मुताबिक काम किया है।

चर्चा

बेंगलूरु में स्नातक विधान परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर बैयटरायनपुरा में विधानपरिषद के चुनाव आकांक्षी उदयकुमार ने लोगों और शुभचिंतकों के साथ चर्चा की।

कांग्रेस ने आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर नड्डा के खिलाफ शिकायत दायर की

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने आदर्श आचार संहिता का कथित उल्लंघन करने को लेकर रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ निर्वाचन आयोग से कार्रवाई करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सोशल मीडिया पर भाजपा की ओर से पोस्ट किये गए एक वीडियो में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के सदस्यों को एक विशेष उम्मीदवार को वोट नहीं देने के लिए डराया-धमकाया गया है।

कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को दी शिकायत में प्रदेश भाजपा के आधिकारिक अकांउट से चार मई को शाम करीब साढ़े पांच बजे एक्स' पर साझा एक वीडियो का उल्लेख किया है। इस अकाउंट का संचालन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के निर्देश पर पार्टी के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय करते हैं। पत्र में कहा गया है, सोशल मीडिया पर पोस्ट किये गए उक्त वीडियो में राहुल गांधी और (मुख्यमंत्री) सिद्दरामैया के एनिमेटेड किरदार दिखाए गए हैं।

भाजपा का सांप्रदायिक एजेंडा कलबुर्गी में काम नहीं करेगा : मंत्री डॉ. शरण प्रकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने चेतावनी दी है कि जातिगत झगड़े और सांप्रदायिक दंगे कराने और आग लगाने की भाजपा की राजनीतिक शरारत कलबुर्गी में नहीं चलेगी। रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर तंज कसा कि 'यह निंदनीय है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव में राजनीतिक द्वेष के कारण कुछ घटनाओं पर राजनीतिक दोष मढ़ रही है। जातीय संघर्ष और सांप्रदायिक दंगे पैदा करने और आग लगाने की भाजपा की राजनीतिक दुर्भावना समर्पण की भूमि कलबुर्गी में नहीं होगी।' यहां मतदाता बहुत परिपक्व हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां के मतदाता सच और झूठ को तौलकर विकास के लिए वोट करेंगे।

डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने 51 साल लंबे राजनीतिक जीवन में कभी भी ऐसी बात नहीं कही जिससे किसी को ठेस न पहुंचे, खरगे के परिवार ने पूरे समाज के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा। मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार ने ऐसा कोई काम नहीं किया है कि झूठा केस बनाया जाए या जातिगत दुर्व्यवहार का मामला बनाया जाए।

सिद्दरामैया ने पिछले लोकसभा चुनाव में प्रज्ज्वल के लिए वोट मांगे थे : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रज्ज्वल रेवन्ना अभी भी कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन के सांसद हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने स्पष्ट किया कि अगर वह यह चुनाव जीतते हैं और एनडीए के उम्मीदवार बनते हैं, तो पार्टी उनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई करेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'जांच टीम ने अभी तक रिपोर्ट नहीं दी है कि प्रज्ज्वल रेवन्ना ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं कब कीं। प्रज्ज्वल रेवन्ना अभी तक हमारे मैच में नहीं जीते हैं। अब प्रज्ज्वल कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन से सांसद हैं। जेडीएस पार्टी पहले ही प्रज्ज्वल के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। अगर वह एनडीए सांसद बनते हैं तो हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।'

17 अप्रैल, 2019 को कडुर में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने लोगों से प्रज्ज्वल रेवन्ना को अपने बगल में बैठाने और उन्हें जिताने की अपील की थी। उन्होंने स्वयं शहद ले जाने वाली महिला को शक्ति देने की बात कही। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, जो अब प्रज्ज्वल रेवन्ना को बलात्कारी कहते हैं, ने ट्वीट किया, 'वह महान दृष्टिकोण वाले एक युवा नेता हैं, मैं सभी से उनके पक्ष में वोट डालने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने गठबंधन को मजबूत करने को कहा।' उन्होंने कहा कि प्रज्ज्वल रेवन्ना अभी भी कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन से सांसद हैं।

मंत्री एमबी पाटिल को पाताल लोक में नहीं जाना चाहिए था, प्रज्ज्वल को धरती पर रहते हुए ही गिरफ्तार किया जा सकता था। लेकिन सरकार ने वह काम नहीं किया।

सड़क हादसे में कार में सवार परिवार के छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में रविवार को एक अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बनास नदी पुल के पास उस समय हुआ जब अज्ञात वाहन ने एक कार को टक्कर मार दी। उसने बताया कि कार में सवार लोग सवाई माधोपुर के गणेश मंदिर में पूजा करने जा रहा था।

बौंली थाने के उप निरीक्षक धर्मपाल सिंह ने कहा, अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दो घायलों का सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मनीष शर्मा एवं उसकी पत्नी अनीता, कैलाश शर्मा एवं उसकी पत्नी संतोष, सतीश शर्मा एवं उसकी पत्नी पूनम के रूप में हुई। घायलों में की पहचान मनीष शर्मा के बच्चों मनन और दीपाली के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि कार को टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है।

राजस्थान में पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में केवल 31 महिलाएं पहुंच पायीं संसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनावों में अब तक आधी आबादी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है और पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में केवल 31 महिलाएं ही संसद पहुंच पाई हैं जो आजादी के बाद करीब 72 सालों में उनकी संसद में राज्य से केवल 7.52 प्रतिशत भागीदारी रही है। राजस्थान में हाल में दो चरणों में हुए 18वीं लोकसभा चुनाव सहित अब तक हुए अठारह लोकसभा चुनावों में 222 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। उल्लेखनीय है कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव का परिणाम आगामी चार जून को आयेगा। प्रदेश में इससे पहले हुए सत्रह लोकसभा चुनावों में 203 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जिनमें केवल 31 महिला ही चुनाव जीत पाई। इन चुनावों में कुल 4156 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा जिनमें 412 प्रत्याशी सांसद बनकर संसद पहुंचे जिनमें 481 पुरुष उम्मीदवार शामिल हैं। इस दौरान प्रदेश से महिलाओं की संसद में भागीदारी भले ही कम रही हो लेकिन इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित अन्य ऐसी कई महिलाएं जो एक से अधिक बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इनमें श्रीमती राजे सर्वाधिक पांच बार संसद पहुंचकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इन 18 चुनावों में कुल प्रत्याशियों में महिलाओं को केवल 5.02 प्रतिशत ही उम्मीदवारी मिली जबकि इनमें पिछले सत्रह चुनावों में 4.88 प्रतिशत महिला प्रत्याशी थी। अब तक हुए अठारह लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने पिछले 72 सालों में करीब 38 महिलाओं को टिकट दिया जबकि भाजपा ने पिछले लगभग 45 वर्षों में करीब 28 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इस दौरान अन्य दलों ने भी महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा।

पिछले सत्रह लोकसभा चुनावों में भाजपा की सर्वाधिक 15 भाजपा महिला प्रत्याशी संसद पहुंची जबकि कांग्रेस की 12 एवं तीन स्वतंत्र पार्टी एवं एक निर्दलीय महिला उम्मीदवार ने चुनाव जीता। इस दौरान श्रीमती राजे ने झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र से सर्वाधिक पांच बार वर्ष 1989, 1991, 1996, 1998 एवं 1999 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डा गिरिजा व्यास चार बार लोकसभा चुनाव जीता। डा व्यास ने वर्ष 1991, 1996 एवं 1999 में उदयपुर एवं वर्ष 2009 में चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व किया। डा व्यास ने सात बार लोकसभा का चुनाव लड़ा जिनमें तीन बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।

इस दौरान पूर्व जयपुर राजघराने की राजमाता गायत्री देवी स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी के रूप में वर्ष 1962, 1967 एवं 1971 के लोकसभा चुनाव में जयपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधत्व किया। उन्होंने राजस्थान से पहली महिला सांसद निर्वाचित होने का गौरव भी हासिल किया। इसी तरह इस दौरान प्रदेश से लोकसभा चुनाव जीतने वाली महिलाओं में निर्मला कुमारी, उषा एवं जसकौर मीणा दो बार चुनाव जीतकर संसद पहुंची।

पूर्व जोधपुर राजघराने की राजमाता कृष्णा कुमारी लोकसभा चुनावों में प्रदेश में एक मात्र निर्दलीय महिला प्रत्याशी के रुप में जोधपुर से चुनाव जीतकर सांसद पहुंची। उन्होंने वर्ष 1971 का लोकसभा चुनाव जीता। इन चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़ियां की पत्नी इंदुबाला सुखाड़िया ने भी उदयपुर से वर्ष 1984 में लोकसभा चुनाव जीता।

इसी तरह पूर्व जोधपुर राजघराने की बेटी चन्द्रेश कुमारी कटोच ने जोधपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में वर्ष 2009, पूर्व जयपुर राजघराने की राजकुमारी दिया कुमारी ने वर्ष 2019 में राजसमंद से भाजपा प्रत्याशी तथा पूर्व भरतपुर राजघराने की महारानी दिव्या सिंह ने भरतपुर से वर्ष 1996 में भाजपा प्रत्याशी के रुप में लोकसभा चुनाव जीता। इसी प्रकार भरतपुर से ही भाजपा प्रत्याशी के रुप में कृष्णेन्द्र कौर (दीपा) ने वर्ष 1991, अजमेर से प्रभा ठाकुर ने वर्ष 1998 में कांग्रेस, वर्ष 2004 में उदयपुर से भाजपा की किरण माहेश्वरी एवं इसी चुनाव में जालोर से भाजपा की सुशीला, वर्ष 2014 में झुंझुनूं से भाजपा की संतोष अहलावत एवं वर्ष 2019 में भरतपुर से भाजपा की रंजीता कोली चुनाव जीतकर संसद पहुंची जबकि वर्ष 2009 में नागौर से ज्योति मिर्धा कांग्रेस उममीदवार के रुप में लोकसभा चुनाव जीता।

वर्ष 1952 पहली लोकसभा में जनसंघ की उम्मीदवार रानी देवी भार्गव एवं निर्दलीय उम्मीदवर शारदा बाई ने चुनाव लड़ा लेकिन चुनाव हार गई। वर्ष 1957 दूसरे एवं वर्ष 1977 के छठे लोकसभा चुनाव में प्रदेश में एक भी महिला उम्मीदवार ने चुनाव नहीं लड़ा जबकि तीसरे आम चुनाव में छह महिलाएं मैदान में उतरीं और उनमें केवल गायत्री देवी ने चुनाव जीता। इसी तरह 1971 के लोकसभा चुनाव में चार महिलाओं ने चुनाव लड़ा, जिनमें दो महिला सांसद पहुंची। वर्ष 1980 के चुनाव में पांच महिलाओं में एक चुनाव जीत पाई। वर्ष 1984 में छह में से दो, वर्ष 1989 में फिर छह महिला चुनाव मैदान में उतरी लेकिन एक ही जीत पाई। वर्ष 1991 के चुनाव में 14 महिला चुनाव मैदान में उतरी और चार ने चुनाव जीतकर अपना कुछ दबदबा दिखाया। इसके बाद वर्ष 1996 के चुनाव में 25 महिला उम्मीदवारों में से चार संसद पहुंची। वर्ष 1998 में बीस में से तीन, 1999 में 15 में से तीन, 2004 में 17 में से दो, 2009 में 31 में से तीन, 2014 में 27 में से केवल एक तथा वर्ष 2019 में 23 महिला प्रत्याशियों में से तीन महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची। इस दौरान वर्ष 2009 में सर्वाधिक 31 महिलाओं ने चुनाव लड़ा।

खराड़ी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने आज बताया कि उदयपुर जिले में कोटड़ा थाना पुलिस टीम ने इस मामले में आरोपी जितेंद्र कुमार अहारी निवासी बंजारिया थाना खेरवाड़ा जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल जब्त कर लिया गया है।

गोयल ने बताया कि शुक्रवार को खराड़ी के गनमैन भीमा ने थाना कोटडा पर रिपोर्ट दी कि खराड़ी को उनकी इंस्टाग्राम आईडी पर कमेंट कर जान से मारने की धमकी दी गई है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। कैबिनेट मंत्री को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी की घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने तकनीकी सहयोग से आरोपी की पहचान कर जितेंद्र कुमार अहारी को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। जिसे अदालत में पेश कर पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने मोबाइल में इंस्टाग्राम पर अन्य नाम से आईडी बना रखी है। चुनाव के दौरान विभिन्न प्रचार प्रसार एवं राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित होकर उसने कमेंट कर दिया।

अक्षय कुमार ने पुष्कर में ब्रह्मा जी के किए दर्शन

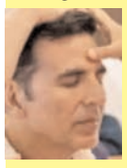

अजमेर/दक्षिण भारत । बालीवुड के जानेमाने फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने रविवार को राजस्थान के अजमेर से जुड़े तीर्थराज पुष्कर में सृष्टि के रचयिता जगतपिता ब्रह्मा जी के दर्शन किये। अजमेर के रेलमंडल मुख्यालय की लोकेशन पर निर्माणाधीन फिल्म 'जोली एल. एल. बी.-3' की शूटिंग के लिये अक्षय यहाँ आये हुए हैं। वह पुष्कर की एक रिसार्ट में ठहरे हैं। पहले वह दो दिन पहले ब्रह्मा मंदिर दर्शन के लिए जानेवाले थे। लेकिन प्रशंसकों की भारी भीड़ को देखते हुए उन्हें दर्शन निरस्त करना पड़ा।

रविवार सुबह अक्षय कड़ी सुरक्षा में ब्रह्मा मंदिर पहुंचे और भगवान ब्रह्मा जी के दर्शन कर कामयाबी की मनोकामना की। इस दौरान मंदिर में पुजारी परिवार ने उन्हें दर्शन कराये और अगवानी भी की। पुजारी किशन गोपाल वशिष्ट ने आरती में सहयोग किया। अक्षय सादे सफेद पोशाक में दर्शन करने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि फिल्म की शूटिंग अजमेर के अलावा मसूदा के देवमाली में होनी है। यह फिल्म 'जोली एलएलबी' का स्वीक्वल है। करीब पन्द्रह दिनों का शिड्यूल चल रहा है , जिसमें अजमेर रेलमंडल मुख्यालय भवन पर 'जिला एवं सत्र न्यायालय दिल्ली' का सैट सजा कर न्यायालय परिसर को जीवंत कर फिल्मांकन किया जा रहा है। फिल्म में अक्षय के प्रतिद्वन्द्वी वकील की भूमिका में अभिनेता अरशद वारसी हैं। साथ ही सह कलाकार सौरभ शुक्ला व अभिनेत्री हुमा कुरैशी भी दिखाई देंगी।

दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटें जीतेगी भारतीय जनता पार्टी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पूर्वी दिल्ली के ओसवाल भवन में आचार्य महाप्रज्ञ के 15वें महाप्रयाण दिवस पर आयोजित सामाजिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि जैन समाज ने देश को दिशा दिखाने का सराहनीय कार्य किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जैन समाज व साधु-संतों के साथ गहरा रिश्ता रहा है। पीएम मोदी के लिए जैन समाज उनके परिवार जैसा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आने वाले जैन समाज के संत प्रदेश के लिए स्टेट गेस्ट होंगे। उनकी सेवा के लिए हम सदैव तत्पर हैं।

भजनलाल शर्मा ने सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित जैन समाज के प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साधु-संतों के आशीर्वाद से देश सेवा का कार्य कर रहे हैं।

उनके नेतृत्व में भारत को दुनिया का सिरमौर बनाना है। इसके लिए समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। साधु-संतों की वाणी एवं आशीर्वाद से देश निरंतर मजबूत बन रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश की स्थिति कैसी थी, इससे आप सभी अवगत हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्षों में देश में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा की जीत के लिए प्रवासी राजस्थानियों से अधिक से अधिक संख्या में वोट करने एवं समर्थन देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मल्होत्रा भाजपा के संघर्षशील एवं कर्मशील कार्यकर्ता हैं, इनकी जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी ही जीतेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सम्मेलन में साध्वी अणिमा ठाणा, साध्वी संगीत ठाणा से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी एवं जैन श्वेताम्बर तैरापंथी सभा के गणमान्य जन मौजूद रहे।

जिला कलक्टर जिला स्तरीय समिति की तत्काल और नियमित बैठक आयोजित करें : अजिताभ शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं उद्योग अजिताभ शर्मा ने जिला कलक्टरों को पत्र लिखकर अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्यवाही, संबंधित विभागों के बीच समन्वय और मार्गदर्शन के लिए जिला स्तरीय कमेटी की तत्काल बैठक आयोजित करने और प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण पर प्रभावी कार्यवाही, समन्वय व निर्देशन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही और समन्वय के लिए जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कमेटी गठित है। इसके साथ ही 2018 के आदेश के अनुसार जिला कलक्टरों को बजरी के अवैध खनन, परिवहन व भण्डारण पर कार्यवाही के लिए एसआईटी गठित करने के लिए भी अधिकृत किया हुआ है। शर्मा ने जिला कलक्टरों को जिला स्तरीय कमेटी की बैठक की कार्यवाही विवरण राज्य सरकार को प्रेषित करने और भविष्य में नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नर और सभी पुलिस अधीक्षकों को भी पत्र लिखकर अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही में समन्वय व सहयोग करने को लिखा है।

प्रमुख शासन सचिव माइंस व उद्योग अजिताभ शर्मा ने बताया कि मुख्य सचिव स्तर से समय समय पर जारी परिपत्र के अनुसार वन भूमि में वन विभाग, खातेदारी भूमि में राजस्व विभाग और राजकीय भूमि पर अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही करने के लिए अधिकृत है। इसके साथ ही रीको और यूआईटी क्षेत्रों में इनके द्वारा अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही करने और एफआईआर दर्ज कराने के लिए अधिकृत किया हुआ है। खान विभाग द्वारा बजरी खनन क्षेत्रों में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए अभियान चलाकर कार्यवाही जारी है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 130 प्रकरण दर्ज कर एक गिरफ्तारी और 16 एफआईआर दर्ज कराई गई है। खान निदेशक भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि अवैध बजरी खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ चलाई जा रहे कार्यवाही अभियान का असर और कारगर परिणाम प्राप्त होने लगे हैं। प्रदेश में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण को लेकर सरकार गंभीर है। इसी को ध्यान में रखते हुए टोंक, देवली, केकड़ी (अजमेर), कोटा, बूंदी, झालावाड़, भीलवाड़ा, शाहपुरा (भीलवाड़ा), चित्तोड़, जोधपुर, पाली (सोजत), सिरोही, जालौर, बाड़मेर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, रुपवास आदि में सघन जांच अभियान के लिए टीमों द्वारा अन्य के साथ ही बजरी खनन वाले नदी क्षेत्रों पर निगरानी कर रही है। विभाग को किसी भी स्रोत से सीधे ही अवैध बजरी खनन गतिविधियों से संबंधित शिकायत आती है तो किसी भी टीम को कहीं अन्यत्र भी मुख्यालय द्वारा निरीक्षण कर कार्यवाही करने के लिए निर्देषित किया जा रहा है।

अतिरिक्त निदेशक माइंस जयपुर बीएस सोढ़ा, एडीएम कोटा एमपी मीणा, एडीएम उदयपुर दीपक तंवर और एडीएम जोधपुर योगेन्द्र सिंह सहवाल द्वारा गठित 27 टीमों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग द्वारा अवैध बजरी और अन्य खनिज गतिविधियों के खिलाफ 130 प्रकरण दर्ज किये जा चुके हैं।

इनमें बजरी के अवैध खनन के दो, अवैध परिवहन के 59 और अवैध बजरी भण्डारण के 6 मामलें दर्ज किये गये हैं। इसी तरह से अन्य खनिजों के 9 अवैध खनन, 54 अवैध परिवहन के मामलें सामने आये हैं। अवैध बजरी गतिविधियों की 5 और अवैध खनन गतिविधियों की 11 एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है।

गुरू मां के श्रीचरणों में पहुंचे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। अतिशय क्षेत्र केशोरायपाटन में भगवान मुनिसुव्रतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के अवसर पर प.पू. गणिनी आर्यिका 105 श्रीस्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर एवं भाजपा कोटा शहर ज़िलाध्यक्ष राकेश जैन ने पहुंचकर गुरु मां के श्रीचरणों में श्रीफल अर्पित किया ,पूज्य गुरु मां ने पिच्छीका से आशीर्वाद प्रदान किया । ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने पूज्य गुरु माँ के पाद प्रक्षालन कर सिर पर गंधोदक लगाया गुरु माँ ने आशीर्वाद स्वरूप स्वस्तिधाम जहाजपुर का स्मृति चिन्ह प्रदान किया। महोत्सव में समाज की पत्रिका स्वस्ति संदेश का विमोचन भी किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने महोत्सव में अपने संबोधन में कहा कि चंबल की पवित्र पावनधरा पर जो भव्य भक्तिमय अनुष्ठान आयोजन हुआ इससे यहां का वातावरण धर्ममय हो गया है। धर्म की गंगा में सभी धर्मप्रेमी डुबकी लगा कर धर्मलाभ ले रहे है और जिन्होंने अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग किया वे सभी साधुवाद के पात्र है।

झगड़े के दौरान भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या

कोटा/दक्षिण भारत । कोटा में मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुए एक झगड़े के दौरान अपने भाई की कुल्हाड़ी मारकर हत्या करने के आरोप में 38-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि सुकेत पुलिस थाने के अंतर्गत झिरी गांव में आरोपी सनवारा भील और उसके छोटे भाई मनोज भील (30) के बीच शुक्रवार रात तीखी नोकझोंक हो गई थी। उन्होंने बताया कि यह नोकझोंक घर के बाहर सनवारा की मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुई थी।

सिंह ने बताया कि गुस्से में आकर सनवारा ने मनोज पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिंह ने बताया कि इस घटना के बाद सनवारा मौके से भाग गया था, लेकिन शनिवार शाम को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि सनवारा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

सार्वजनिक नीति में 'हैप्पीनेस वेलबिंग' को प्राथमिकता देने की जरूरत : पंकज

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन ने हैप्पीनेस की अर्थशास्त्र पर एक विचार-प्रेरक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विशिष्ट अर्थशास्त्री और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधानकर्ता एवं जयपुरिया इंस्टीटयूट ऑफ मेनेजमेंट, जयपुर के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज ने अर्थशास्त्र, वेलबिंग और सार्वजनिक नीति के अन्वेषण के लिए उत्सुकता जताई। डॉ. पंकज ने सामाजिक जीवन में जटिल गतिविधियों और सार्वजनिक नीति के लिए उनके प्रभावों के साथ वैश्विक दर्शकों को मोहित किया। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक नीति में एक परिदिग्म परिवर्तन की आवश्यकता को महत्वपूर्ण मापदंडों के साथ सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया।

भाजपा ने पैसे के बल पर संदेशखालि का 'झूठ' फैलाया : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोलपुर (प. बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पैसे के बल पर संदेशखालि का 'झूठ' फैलाया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''घड़ियाली आंसू बहाना'' बंद करना चाहिए, क्योंकि ''भाजपा द्वारा रची गई साजिश का खुलासा एक हालिया स्टिंग से हो गया है।

तृणमूल ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखालि प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ था।

तृणमूल ने कथित वीडियो जारी किया, जिसमें संदेशखालि में भाजपा के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है। हालांकि, पीटीआई-भाषा' तृणमूल कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता। बोलपुर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद शताब्दी रॉय के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया, (इस) झूठ की साजिश भाजपा ने रची और इसने कुछ लोगों को झूठ बोलने के लिए पैसे दिए। उन्होंने दावा किया, क्या कभी किसी ने सोचा था कि भाजपा इतनी गिर जाएगी कि संदेशखालि पर अफवाहें फैलाएगी?

ऐसे घृणित आरोप लगाकर पश्चिम बंगाल की माताओं का अपमान न करें। हमारी पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे की पेशकश करके राज्य की महिलाओं का अपमान करने का साहस मत करो।

सपा ने आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने की कोशिश की : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) अपने शासनकाल में आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने में रुचि लेती थी और उसने भगवान राम का अपमान किया। आदित्यनाथ ने मिश्रिख से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद व प्रत्याशी अशोक रावत के समर्थन में मल्लावां, हरदोई में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि इन लोगों (सपा) ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकटमोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था।

मुख्यमंत्री के मुताबिक, तब उच्च न्यायालय ने कहा था कि आज आतंकियों के मुकदमे वापस ले रहे हो, कल इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजोगे। उन्होंने कहा कि दो चरणों के चुनाव ने साबित कर दिया कि 'अबकी बार-400 पार' का लक्ष्य प्राप्त होगा और इसमें सबसे बड़ा योगदान उत्तर प्रदेश का होगा। आदित्यनाथ ने सिलसिलेवार उपलब्धियां बताते हुए कहा, नए भारत में नई विकास यात्रा चल रही है। 1947 तक जितने राजमार्ग बने, मोदी जी के नेतृत्व में उससे दोगुने राजमार्ग 10 वर्ष में बन गए हैं। दोगुने हवाई अड्डे बन गए हैं। कांग्रेस ने सिर्फ एक एम्स बनाया, छह एम्स अटल जी और 15 एम्स मोदी जी ने बनवाए।

मुख्यमंत्री ने गरीबों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन के प्रावधान का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि घरों और शौचालयों के निर्माण के मामले में हरदोई और सीतापुर ने बहुत प्रगति की है।

योगी ने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है।

अरविंद को उनकी आवाज दबाने के लिए चुनाव से पहले जेल भेजा गया : सुनीता केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मेरे पति को किसी भी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है। वे कह रहे हैं कि जांच चल रही है। अगर जाच 10 साल तक चलेगी तो क्या वे उन्हें 10 साल जेल में रखेंगे? यह सरासर गुंडागर्दी और तानाशाही है...

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को आरोप लगाया कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री की आवाज को ''दबाने'' के लिए उन्हें जेल में डाल दिया गया। उन्होंने लोगों से लोकसभा चुनाव में ''तानाशाही'' के खिलाफ मतदान करने को कहा।

सुनीता ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में दक्षिणी दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार सहीराम पहलवान के समर्थन में अपना तीसरा रोड शो किया। उन्होंने कहा कि उनके पति को जेल में डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने अच्छे सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लिनिक बनवाए और दिल्ली में हर महिला को 1,000 रुपए देने का वादा किया।

सुनीता ने कहा, उन्होंने उनकी आवाज को दबाने के लिए चुनाव से ठीक पहले उन्हें (मुख्यमंत्री) जेल में डाल दिया। तानाशाही चरम पर है। कृपया इस देश को बचाएं। कृपया गर्मी की परवाह किए बिना अपना वोट डालें। उन्होंने आरोप लगाया, आपके मुख्यमंत्री और मेरे पति को जेल में डाल दिया गया है। किसी भी अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया है। वे कह रहे हैं कि जांच चल रही है। अगर जांच 10 साल तक चलेगी, तो क्या वे उन्हें 10 साल तक जेल में रखेंगे? यह सरासर गुंडागर्दी और तानाशाही है।

केजरीवाल को 21 मार्च को शराब नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

महाराणा प्रताप की मूर्ति तोड़ने के आरोप में करीब 100 सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मैनपुरी (उप्र)/भाषा। मैनपुरी में महाराणा प्रताप की मूर्ति को कथित रूप से तोड़ने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के 90-100 कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने घटना का स्वत: संज्ञान लेते हुए यह प्राथमिकी दर्ज की है। मैनपुरी के स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह घटना सपा उम्मीदवार डिंपल यादव के समर्थन में शनिवार को पार्टी अखिलेश यादव के रोड शो के बाद हुई।

कोतवाली थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) फतेह बहादुर सिंह भदौरिया ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने समाजवादी पार्टी के 90-100 कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा करना), 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 295-ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि मामला शनिवार रात को दर्ज किया गया।

आज देश में कांग्रेस की कहीं कोई जमीन नहीं बची : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं (उप्र)/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि देश में कहीं भी विपक्षी दल की कोई जमीन नहीं बची है और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी अमेठी छोड़कर भाग गए हैं। धामी ने इस बार अमेठी सीट से चुनाव नहीं लड़ने के लिए कांग्रेस नेता पर तंज करते हुए कहा कि अमेठी को एक समय गांधी परिवार की सीट माना जाता था तथा यह पहला अवसर है कि राहुल गांधी ने वहां का रण छोड़ दिया है और चुनाव से भाग गए।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि देश की जनता देख रही है कि उन्होंने अमेठी छोड़ दिया, क्योंकि कांग्रेस पार्टी देश में कहीं नहीं है और परंपरागत सीट पर भी उसका आधार नहीं बचा है।

उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के सवाल पर उन्होंने कहा, 350 से ज्यादा मुकदमे दर्ज किए गए हैं और इसमें हम कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। कल समीक्षा बैठक की गई है जिसमें सबकी जिम्मेदारी तय कर दी गई है।

कैसरगंज के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे को टिकट दिए जाने पर धामी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा)परिवारवादी दल है जबकि भाजपा ऐसी नहीं है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर कई महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ पिछले साल दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

त्रिपुरा में 4 बच्चों समेत 11 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला/भाषा। वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश करने के आरोप में त्रिपुरा के धलाई जिले के एक दूरदराज के सीमावर्ती गांव से चार बच्चों सहित 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेशी नागरिक धलाई जिले के गंडाचेर्रा उपमंडल से होकर अपने घर (बांग्लादेश) जा रहे थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए गंडाचेर्रा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) पलाह दत्ता के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने शनिवार को धलाई जिले के सीमावर्ती गांव मचकुमीर में छापेमारी की और 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। ओसी ने कहा, हमने भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि वे लगभग एक महीने पहले गंडाचेर्रा क्षेत्र में भारतीय सीमा में घुसने के बाद बेंगलूरु गए थे। उन्होंने बताया, हमने सियालदह से अंबासा तक के ट्रेन टिकट जब्त किए हैं, जिससे पता चलता है कि वे बेंगलूरु से कोलकाता के रास्ते लौट रहे थे।

प्रियंका वाद्रा रायबरेली, अमेठी में कांग्रेस के प्रचार अभियान की कमान संभालेंगी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका वाद्रा रायबरेली और अमेठी में लोकसभा चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगी तथा दोनों सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से उत्तर प्रदेश के इन संसदीय क्षेत्रों में डेरा डालेंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कई दिनों से जारी असमंजस को खत्म करते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि राहुल गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, जो पिछले दो दशकों से उनकी मां सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है। वहीं, गांधी परिवार के करीबी सहयोगी किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ेंगे।

प्रियंका ने पहले ही प्रचार अभियान की कमान संभाल ली है और सोमवार से चुनाव खत्म होने तक वह रायबरेली तथा अमेठी में डेरा डाले रहेंगी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्रियंका अपने भाई राहुल गांधी और शर्मा की जीत सुनिश्चित करने के लिए आक्रामक तरीके से प्रचार करेंगी। राहुल गांधी के पूरे भारत में प्रचार करने के साथ, प्रियंका ने परिवार के दोनों गढ़ में प्रचार अभियान की कमान संभालने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रायबरेली से बड़े अंतर से जीत सुनिश्चित करने और अमेठी में फिर से पार्टी को विजय दिलाने का संकल्प लिया है। अमेठी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराया था। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, वह (प्रियंका वाद्रा) अमेठी और रायबरेली में प्रचार अभियान की अगुवाई करेंगी।

प्रधानमंत्री मोदी आरक्षण विरोधी हैं, वह आपका आरक्षण छीनना चाहते हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और वह आरक्षण छीनना चाहते हैं। तेलंगाना के आदिलाबाद (एसटी) लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्मल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने दावा किया कि मौजूदा आम चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है, जिसमें कांग्रेस संविधान की रक्षा करने की कोशिश कर रही है जबकि भाजपा-आरएसएस मिलकर इसे और जनता के अधिकारों को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी आरक्षण के खिलाफ हैं। वह आपसे आरक्षण छीनना चाहते हैं। देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण को 50 फीसदी से बढ़ाना है।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि अगर पार्टी की केंद्र में सरकार बनती है, तो वह 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त कर देगी और आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा देगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के अन्य नेता भी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। यह आरोप लगाते हुए कि मोदी ने सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर दिया है, गांधी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लागू की गई अनुबंध प्रणाली आरक्षण को हटाने के समान है। उन्होंने कहा, हम सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र में अनुबंध प्रणाली को हटा देंगे। अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी नौकरियां मिलेंगी।

गांधी ने कहा, नरेन्द्र मोदी ने आज तक अपने भाषणों में कभी नहीं कहा कि वह आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटा देंगे।

जडेजा के हरफनमौला खेल से सीएसके ने पंजाब किंग्स को 28 रन से हराया

धर्मशाला/भाषा। रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को 28 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। जडेजा ने 26 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 43 रन बनाने के बाद चार ओवर में महज 20 रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे पंजाब के खिलाफ लगातार पांच हार के बाद सीएसके ने जीत का स्वाद चखा।

सीएसके ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 167 रन बनाए और फिर पंजाब की पारी को नौ विकेट पर 139 रन पर रोककर टीम के खिलाफ चार दिन पहले मिली हार का बदला चुकता किया। सीएसके ने 11 मैच में छठी जीत के बाद तालिका में शीर्ष चार में अपनी वापसी की जबकि 11 मैचों में सातवीं हार के बाद पंजाब की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। जडेजा को टीम के अन्य गेंदबाजों का भी अच्छा साथ मिला जिससे पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। तुषार देशपांडे और सिमरजीत सिंह ने दो-दो जबकि मिचेल सेंटनर और शारदुल ठाकुर ने एक-एक विकेट चटकाया। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंद में 30 जबकि शशांक सिंह ने 20 गेंद में 27 रन पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 36 गेंद में 53 रन जोड़े। टीम के लिए राहुल चाहर ने चार ओवर में 23 तो वहीं मध्यम तेज गति के गेंदबाज हर्षल ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। अर्शदीप सिंह को दो जबकि कप्तान सैम कुरेन को एक सफलता मिली। सीएसके के लिए जडेजा के अलावा शानदार लय में चल रहे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 32 जबकि डेरिल मिचेल ने 19 गेंद में 30 रन का बल्ले से अच्छा योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 32 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। लक्ष्य का बचाव करने अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के बिना मैदान में उतरी सीएसके को देशपांडे ने दूसरे ओवर में जॉनी बेयरस्टो (सात) और रिली रोसेयु (शून्य) को बोल्ड कर शानदार शुरुआत दिलायी।

मणिपुर की राज्यपाल ने राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के लिए 'स्कूल ऑन व्हील्स' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में राहत शिविरों में रहने वाले छात्रों तक पहुंचने के लिए रविवार को ''स्कूल ऑन व्हील्स'' पहल शुरू की। राजभवन के एक बयान से यह जानकारी मिली। बाल विद्या मंदिर परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान उइके ने कहा कि स्कूल बस एक पुस्तकालय, स्मार्ट टीवी, कंप्यूटर और खेल सामग्री से सुसज्जित है। इसमें एक शिक्षक भी मौजूद रहेंगे। यह बस राहत शिविरों में जाएगी।

राज्यपाल ने कहा, पिछले साल तीन मई को शुरू हुई घटनाओं ने राज्य के हजारों लोगों, विशेषकर छात्रों, को प्रभावित किया। 'स्कूल ऑन व्हील्स' योजना छात्रों तक पहुंचेगी और उन्हें आवश्यक शिक्षा प्रदान करेगी। राज्यपाल ने कहा कि यह पहल विद्या भारती शिक्षा विकास समिति द्वारा शुरू की गई है, जिसने निर्णय लिया है कि राहत शिविरों में रहने वाले बच्चों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना चाहिए। लगभग 18,000 छात्र वर्तमान में 480 राहत शिविरों में रह रहे हैं। पिछले साल तीन मई को जातीय झड़पों की शुरुआत के बाद से 219 से अधिक लोग मारे गए और हजारों लोग घरों से विस्थापित हो गए थे।

बाजपेयी की राजधर्म वाली टिप्पणी मुझे याद है : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा/भाषा। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर गोधरा कांड के दोषियों को बचाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आरोप के एक दिन बाद राजद प्रमुख के बेटे तेजस्वी यादव ने रविवार को गुजरात में सांप्रदायिक हिंसा की पृष्ठभूमि में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रसिद्ध 'राज धर्म' टिप्पणी को याद किया। दरभंगा की एक रैली में मोदी के भाषण संबंधी सवालों का तेजस्वी जवाब दे रहे थे, जहां प्रधानमंत्री ने राजद अध्यक्ष पर दो दशक पुराने गोधरा ट्रेन अग्निकांड में दोषियों को 'बचाने' की कोशिश करने और 'कार सेवकों पर दोष मढ़ने' का आरोप लगाया था।

तेजस्वी ने कहा, वह (प्रधानमंत्री) जो चाहें कह सकते हैं। लेकिन मुझे याद है कि उस समय अटल जी ने क्या कहा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल (बिहारी बाजपेयी) जी एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे... उस वक्त मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, प्रधानमंत्री वाजपेयी ने गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान उन्हें 'राज धर्म' का पालन करने की सलाह दी थी। मोदी के इस आरोप पर कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन और राजद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के आरक्षण को 'चुराकर' मुसलमानों को देने की कोशिश कर रहे हैं, यादव ने कहा, ये सब आधारहीन तथ्य हैं और वस्तविकता से कोसों दूर हैं। सरकारी संस्थानों एवं शाखाओं का निजीकरण कर सत्तारूढ़ राजग ने ही अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अन्य वर्गों का आरक्षण समाप्त करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने प्रसाद पर बिहार में मुसलमानों को आरक्षण देने और 2007 में केंद्र सरकार में रेल मंत्री के रूप में काम करते हुए इसकी वकालत करने का आरोप लगाया था, इस पर तेजस्वी ने कहा, प्रधानमंत्री को लोगों से जुड़े मुद्दों पर बात करनी चाहिए। लोगों ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को करारा जवाब देने का फैसला किया है और उन्हें इस चुनाव में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगा।

हिंसा से प्रभावित मणिपुर में युवाओं ने गांवों की 'रक्षा' के लिए उठाए हथियार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के कौट्रुक गांव के आसपास हर दिन सुबह और रात की पाली में हथियारबंद युवाओं का समूह सड़कों पर गश्त करता है। उनका मकसद पिछले साल से मेइती और कुकी के संघर्षरत गुटों से निवासियों को सुरक्षित रखना है।

इन युवाओं में अधिकतर 20 से 30 वर्ष की आयु के बीच के हैं। वे अपने को स्वयंसेवक करार देते हुए कहते हैं कि उन्होंने अपने लोगों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी ली है क्योंकि सुरक्षा बल ''हमारी रक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा सके।

इंफाल घाटी में स्थित कोट्रुक राज्य के कई गांवों में से एक है, जिसकी रक्षा का जिम्मा ''ग्राम स्वयंसेवक, ग्राम स्वयंसेवक बल, ग्राम रक्षा बल'' और ''ग्राम सुरक्षा बल'' नामक समूह संभाल रहे हैं।

अधिकारियों का कहना है कि ये समूह किसी सुरक्षा एजेंसी या सशस्त्र बलों से नहीं जुड़े हैं। बुनियादी युद्ध रणनीति में प्रशिक्षित, ग्रामीण बलों ने अपने क्षेत्रों को जातीय हिंसा से सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। पिछले साल से हिंसा में कई लोग मारे गए, घायल हुए और विस्थापित हुए।

घाटी के गांवों और पर्वतीय इलाकों में चुराचांदपुर में उनकी उपस्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे वर्दी में रहते हैं और उन्हें रेत की बोरियों से बने बंकरों पर मोर्चा संभाले या हथियारों के साथ गश्त करते देखा जा सकता है। वे लाठी, डंडों और राइफल से लैस रहते हैं। इनमें से कुछ हथियार देश-निर्मित और कुछ चोरी या तस्करी करके लाए गए हैं।

गश्ती ड्यूटी पाली के माध्यम से सौंपी जाती है। प्रत्येक पाली छह से सात घंटे के बीच होती है, जिसमें पांच से छह लोगों के छोटे समूह राजमार्गों, गांव की सड़कों और पर्वतों तथा घने जंगलों से गुजरने वाले संकीर्ण रास्तों पर नजर रखने के लिए भेजे जाते हैं। एक गांव के स्वयंसेवक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, स्पष्ट रूप से हमारे (सुरक्षा) बल हमारी रक्षा के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर सके।

अब, हम जानते हैं कि हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के कार्य में उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए, हमें इसे खुद करना है और हमने अपनी क्षमता के मुताबिक ऐसा करने का निर्णय लिया...हमें मामलों को अपने हाथों में लेने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि गश्त काफी असरकारक है, लेकिन ड्रोन की मदद ने टीम को व्यापक क्षेत्र पर निगरानी रखने में मदद दी है।

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ भी सीखने को मिले तो कभी भी सीखना मत छोड़ना, क्योंकि जिंदगी हमेशा कुछ न कुछ सिखाती है और वह सिखाना कभी नहीं छोड़ती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काठ की हांडी नहीं चढ़ेगी

भारत में लोकसभा चुनावों के संबंध में पाकिस्तानी नेताओं की बयानबाजी अनावश्यक होने के साथ ही हैरान करने वाली भी है। अगर उन्हें लोकतंत्र की इतनी ही गहरी समझ है तो सबसे पहले अपने देश में इसकी स्थापना करें, जिसे आज भी फौजी बूटों तले रौंदा जा रहा है। इन दिनों वे महात्मा गांधी और पं. जवाहरलाल नेहरू का भी खूब जिक्र कर रहे हैं। उन्हें बहुत 'पीड़ा' हो रही है कि आज का भारत 'गांधी और नेहरू' के ज़माने वाला भारत नहीं रहा। समाचार चैनल हों या सोशल मीडिया, पाकिस्तान के नेता इस बात पर 'चिंता' जताते मिल जाएंगे कि आज का भारत 'वो भारत' नहीं रहा, जो उनकी हरकतों पर नरमी दिखाया करता था। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हुसैन भी ऐसी ही बातें कर रहे हैं। इनसे कोई पूछे कि अगर आपके दिलों में महात्मा गांधी और पं. नेहरू के लिए इतना ही सम्मान था तो वर्ष 1947 में जम्मू-कश्मीर में घुसपैठिए क्यों भेजे थे? क्यों लूट-मार मचाई थी? उस समय आपने गांधीजी और नेहरूजी से विश्वासघात किया, मर्यादा का घोर उल्लंघन किया और पीओके के तौर पर भारत के भूभाग पर अवैध कब्जा कर लिया। आपको चाहिए कि आज अपनी उस गलती को सुधारें और पीओके, गिलगित, बाल्टिस्तान समेत वह पूरा इलाका वापस भारत को लौटा दें! क्या ऐसा कर दिखाने का साहस मौजूद है? करना तो बहुत दूर, कहने का साहस भी किसी में नहीं है! पाकिस्तानी नेताओं, अधिकारियों और उच्च वर्ग समेत समाज के बहुत बड़े तबके के साथ एक विचित्र समस्या है। ये उपदेश बहुत अच्छे देते हैं, लेकिन जब खुद की बारी आती है तो फौरन उससे दूर हो जाते हैं।

आज पश्चिमी देशों में बड़ी तादाद में पाकिस्तानी रहते हैं। वे वहां 'बराबर अधिकार' मांगते हैं, जो उन्हें पहले ही मिले होते हैं। उसके बाद विशेष अधिकार मांगते हैं। अभिव्यक्ति की ज्यादा से ज्यादा आज़ादी मांगते हैं। उसके बाद और ज्यादा आज़ादी मांगते हैं। राजनीति में हिस्सा मांगते हैं। अपने लिए 'अलग' व्यवस्था मांगते हैं। उनकी लड़कियों से शादी करते हैं। सरकार की ओर से मिलने वाली तमाम सुविधाओं का लाभ उठाकर भी हमेशा शिकायतें करते रहते हैं। उन देशों की संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को हिकारत भरी निगाहों से देखते हैं। खुद को हमेशा पीड़ित दिखाते हैं। जब मौका मिलता है, अपने लिए और ज्यादा अधिकार मांगते हैं, लेकिन पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को कोई अधिकार नहीं देना चाहते। वे उन्हें सताने में कोई कसर नहीं छोड़ते, सुख-शांति से त्योहार भी नहीं मनाने देते। उनकी बहन-बेटियों के अपहरण व जबरन धर्मांतरण का समर्थन करते हैं या उस मुद्दे पर मौन रहते हैं। वहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सेना प्रमुख, आईएसआई प्रमुख समेत सभी महत्त्वपूर्ण पद केवल अपने लिए रखते हैं। इन्हें 'उदारवादी' बहुत पसंद हैं। बस शर्त यह है कि वे पाकिस्तान से नहीं होने चाहिएं! अगर कोई पाकिस्तानी इस बात की वकालत करे कि उसके मुल्क को आतंकवाद और कट्टरता का रास्ता छोड़कर भारत के साथ सुलह कर लेनी चाहिए, तो वे उसे काट खाने को दौड़ते हैं। हां, कोई व्यक्ति (बशर्ते वह भारतीय हो या पश्चिमी देशों का मूल निवासी) नरम-नरम बातें करे, जो पाकिस्तान की आतंकवादी नीतियों पर सवाल न उठाए, जो पाकिस्तानी हमलों और खून-खराबे के बावजूद यह कहता रहे कि जवाबी कार्रवाई में क्या रखा है ... पाकिस्तानी लोग तो बड़े अच्छे हैं ... मेहमान-नवाज़ हैं, जो सनातन धर्म और संस्कृति के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां करे, जो यह सिद्ध करने के लिए पूरा जोर लगा दे कि ज्ञान-विज्ञान और कलाओं से भारत का सर्वप्रथम परिचय विदेशी आक्रांताओं ने ही कराया था, उसे वे (पाकिस्तानी) हाथोंहाथ लेते हैं। उससे बड़ा 'बुद्धिजीवी' किसी को नहीं मानते। आज भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण तो हो ही रहा है, आतंकवाद के खिलाफ भारतवासियों के रवैए में बहुत सख्ती भी आई है। इसलिए फवाद हुसैन हों या कोई और ... उन्हें पूरी आज़ादी है कि वे बीते दौर की 'सुनहरी यादों' के नाम पर गिले-शिकवे करते रहें, लेकिन अब दोस्ती के नाम पर काठ की हांडी नहीं चढ़ेगी।

ट्वीटर टॉक

अब मोदी, भारत के लिए आने वाले 5 साल ही नहीं, 25 साल का रास्ता बना रहा है। भारत एक हजार साल के लिए सशक्त हो, मोदी उसकी नींव तैयार कर रहा है। क्योंकि मोदी रहे न रहे, ये देश हमेशा रहेगा।

-नरेन्द्र मोदी

पहले महिलाओं की उपेक्षा होती थी, किसानों के बारे में कोई सोचना नहीं था। आज मोदी जी के नेतृत्व में गरीब की चिंता हो रही, गरीब की सुनवाई हो रही है। मोदी जी के नेतृत्व में गांव, गरीब, शोषित, दलित, वंचित, आदिवासी, किसान, युवा, महिला... सबको ताकत मिली है।

-सीपी जोशी

सवाईमाधोपुर जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

घर का बादशाह

एक बार मुंशी प्रेमचंद जी के स्कूल में निरीक्षण करने अफसर आए। पहले दिन प्रेमचंद उनके साथ पूरे समय स्कूल में रहे, दूसरे दिन शाम को वह अपने घर पर आरामदायक कुर्सी पर बैठकर अखबार पढ़ रहे थे, अफसर महोदय की मोटरकार उधर से गुजरी। अफसर को उम्मीद थी कि प्रेमचंद उठकर उन्हें सलाम करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ न हुआ, अफसर ने गाड़ी रोक दी और अर्दली को भेज कर उन्हें बुलाया, इसके बाद प्रेमचंद अधिकारी के सामने जाकर बोले, कहिए क्या है? अधिकारी ने कहा, 'तुम बड़े मगरूर हो, तुम्हारा अफसर दरवाजे से निकल जाता है और तुम उठकर सलाम भी नहीं करते? प्रेमचंद बोले, मैं जब स्कूल में रहता हूं तब नौकर हूं बाद में मैं भी अपने घर का बादशाह हूं।' मुंशी जी की ये बातें सुनकर अफसर महोदय की भौंहें तनी की तनी रह गईं।

सामयिक

जलवायु परिवर्तन क्यों नहीं बनता चुनावी मुद्दा?

सोनम लववंशी

मोबाइल : 70008 54500

देश में चुनावी पारे के साथ ही गर्मी अपने प्रचंड अवतार में है। एक तरफ़ तो जहां देश की राजनीति में भाषा का स्तर गिर रहा है। नेता येन केन प्रकारेण चुनावी मैदान फ़तह करने की जुगत में लगे हुए है तो वहीं बढ़ती गर्मी भी अपने पूरे शबाब में है। विडंबना देखिए कि देश के 2 सबसे बड़े दल अपने अपने चुनावी घोषणा पत्र को लेकर बड़े बड़े दावे कर रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल के घोषणा पत्र में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन जैसे गम्भीर मुद्दे का कोई जिक्र ही नहीं है।

विश्व भर में जलवायु परिवर्तन एक विकट समस्या बन चुका है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक समाज के समक्ष मौजूदा दौर की सबसे बड़ी चुनौती है और इससे निपटना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आंकड़ों पर गौर करें तो 19वीं सदी के अंत से अब तक पृथ्वी की सतह का औसत तापमान लगभग 1.62 डिग्री फॉरनहाइट बढ़ गया है। जबकि समुद्र के जल स्तर में भी लगभग 8 इंच की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अब समय आ गया है कि जलवायु परिवर्तन की दिशा में गंभीरता से न केवल विचार किया जाए बल्कि इस दिशा में उचित कदम भी उठाए जाए। वैसे पिछले कुछ दशकों में बाढ़, सूखा और बारिश आदि की अनियमितता काफी बढ़ गई है। ये सभी कहीं न कहीं जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप ही हो रहा है। कुछ स्थानों पर औसत से अधिक वर्षा हो रही है, तो कुछ स्थान भयंकर सूखे की मार झेल रहें हैं। वर्ल्ड बैंक ने भी इस विषय पर गम्भीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि बढ़ता तापमान, बारिश के पैटर्न में बदलाव, ग्राउंडवाटर लेवल में गिरावट, पिघलते ग्लेशियर और समुद्री स्तर में गिरावट की वजह से आजीविका, खाद्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा संकट खड़ा हो रहा है।

जर्मन सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव बायोडायवर्सिटी के रिसर्च की माने तो सदी के मध्य तक जलवायु परिवर्तन जैव विविधता में गिरावट का मुख्य कारण बन जाएगा। दुनियाभर में जैव विविधता में 11 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) 'एशिया में जलवायु की स्थिति 2023' रिपोर्ट के अनुसार, गर्म मौसम, बार-बार आने वाली गर्मी की लहरों और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के साथ, एशिया दुनिया में सबसे अधिक आपदा-प्रवण क्षेत्र में अपना नाम दर्ज करा चुका है। इस रिपोर्ट की मानें तो साल 2023 के दौरान एशिया में बाढ़ और तूफान के कारण सबसे ज्यादा मौतें और आर्थिक नुकसान हुआ है। साथ ही, लू का प्रभाव भी अधिक गंभीर हो गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व मौसम विज्ञान संस्था ने एशिया में जलवायु परिवर्तन पर प्रभावों को लेकर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें यह स्पष्ट कहा गया है कि वैश्विक तापमान वृद्धि का एशिया पर प्रभाव औसत से ज्यादा पड़ रहा है। जो कि गम्भीर स्थिति है। अभी हाल ही में वोटर टर्नआउट में गिरावट और एक केंद्रीय मंत्री के निधन के लिए भी हीटवेव को जिम्मेदार माना जा रहा है। ज्यादातर लोग इसके पीछे जलवायु परिवर्तन को वजह मानते हैं। जो कि सही भी है। भारत की 80 फीसदी आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाओं का खतरा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण कहीं भयंकर बाढ़ की स्थिति निर्मित हो रही है तो कहीं सूखे की मार झेलनी पड़ रही है। चीन में आई बाढ़ और भारत में सूखे से 65 बिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। एशिया में बढ़ते तापमान से ग्लेशियर भी तेजी सी पिघल रहे हैं। तापमान वृद्धि के कारण समुद्री जल भी औसत से ज्यादा गर्म हो रहा है जो कहीं न कहीं चक्रवात और समुद्री तूफान में इज़ाफ़ा कर रहा है। दूसरी तरफ विडंबना देखिए आम मतदाता सिर्फ अपना निजी लाभ देख रहे हैं, जिसकी परिणीति ये है जलवायु परिवर्तन जैसे गम्भीर मुद्दे चुनावी चर्चा के विषय तक नहीं बनते। हम जलवायु परिवर्तन के गम्भीर परिणामों को प्राकृतिक आपदा का नाम देकर आत्मसंतुष्टि हासिल करने में माहिर हो चले है। जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित गलतियां है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, वरना आने वाली पीढ़ी इसके गम्भीर परिणाम भुगतेगी।

मुद्दा

'शहंशाह' और 'शहजादे' की एंट्री

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

सात मई को लोकसभा के तीसरे चरण के चुनाव होने जा रहे है। तीसरे चरण के चुनाव में विकास, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दे गायब हो गए है। राम मंदिर का मुद्दा भी पीछे छूटने लगा है। इनके स्थान पर शहंशाह और शहजादे की एंट्री हो गई है। हर रोज नए मुद्दे, नारे और जुमलों के जरिए एक दूसरे पर वार-पलटवार जारी है। प्रधान मंत्री मोदी लगभग हर मंच से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को शहजादा कहकर वार कर रहे हैं, अब तो उन्होंने तेजस्वी यादव को भी शहजादा कहकर हमला बोला, तो पहली बार प्रियंका गांधी ने इस पर पलटवार करते हुए मोदी को शहंशाह बता दिया है। जाहिर है शहजादा बनाम शहंशाह की इस जंग ने चुनाव को बेहद दिलचस्प और रोचक बना दिया लोकसभा चुनाव के रण में कामदार बनाम नामदार, रजाकार बनाम वफादार के बाद अब शहजादा बनाम शहंशाह की गूंज सुनाई दे रही है। मोदी चुनावी सभाओं के दौरान राहुल गांधी को शहजादा बताकर जमकर निशाना साधते रहे हैं। राहुल गांधी के रायबरेली से नामांकन करने के दौरान भी प्रधानमंत्री ने राहुल को शहजादे के संबोधन के साथ निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी को शहजादा बताए जाने पर मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, मोदी मेरे भाई को शहजादा बोलते हैं। मैं उनको बताना चाहती हूं, ये शहजादे चार हजार किलोमीटर तक पैदल चले हैं। लगता है चुनाव आते ही हमारे नेताओं की बांछे खिल जाती है। मंच और भीड़ देखते ही सियासत की तकदीर लिखने लगते है। भाषणों में नफरत के तीर चलने लग जाते है। बंद जुबाने खुल जाती है। सियासी शत्रुता के गुब्बार फूटने लगते है। नीतियों और मुद्दों की बाते गौण हो जाती है। भारत और पाक की लड़ाई में भी ऐसी बातें सुनने को नहीं मिलती जो हमारे नेता अपने मुखारबिंद से एक दूसरे पर छोड़ते है। कोई भाई लोकतंत्र पर मंडराते खतरे की बात करता है तो कोई लोकतंत्र की खूबसूरती गिनाता है। धन्य और बलिहारी है हमारा लोकतंत्र।

चुनावी दौर में एक बार फिर रोजगार, आर्थिक मंदी और विकास कहीं पीछे छूट गए है। देशवासी भी इन मुद्दों पर कोई ज्यादा गंभीर दिखाई नहीं देते। सियासी बोलों पर तालिया पीटने के आदि हो गए है हम। भ्रष्टाचार सहित आतंकवाद पर चौतरफा चोट की मोदी के ट्रेलर बात स्वीकार कर भी ले तो कई मोर्चों पर जनता को अभी पिक्चर देखनी है जिसमें अर्थव्यवस्था में सुधार, महंगाई और युवाओं को रोजगार प्रमुख है।

बात लोकसभा के चुनावों की हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाभारत के अर्जुन की भांति अपने व्यंग्य भरे नुकीले तीरों से विरोधियों को घायल कर रहे है। व्यंग्य के तीरों की बौछारें तो अटलजी भी करते थे मगर इस मामले में अपने नरेंद्र भाई की कोई सानी नहीं है। अपनी बात इस निराले अंदाज में करते है कि मतदाता ईवीएम तक पहुँचने तक उसे याद रखते है। उनके सियासी बोल भी अनूठे और दिलफेंक होते है। मोदी चुनावी सभाओं में कांग्रेसी नेताओं के भ्रष्टाचार पर कई बार तंज कस चुके है कि अभी तो सिर्फ ट्रेलर है पूरी पिक्चर आना बाकी है। कहने का मतलब है मोदी का दस साल का शासन तो ट्रेलर मात्र था, असली पिक्चर तो अब शुरू हुई है। उनके मुकाबले अब किसी भी विपक्षी नेता के पास जनता को अपनी ओर खींचने वाले बोल नहीं होते। खैर यहाँ तक तो ठीक है। अब बात करते है नफरती भरे सियासी बोलों की जिसके बिना कोई भी चुनाव निर्विघ्न संपन्न नहीं होते।

चुनावी दौर में एक बार फिर रोजगार, आर्थिक मंदी और विकास कहीं पीछे छूट गए है। देशवासी भी इन मुद्दों पर कोई ज्यादा गंभीर दिखाई नहीं देते। सियासी बोलों पर तालिया पीटने के आदि हो गए है हम। भ्रष्टाचार सहित आतंकवाद पर चौतरफा चोट की मोदी के ट्रेलर बात स्वीकार कर भी ले तो कई मोर्चों पर जनता को अभी पिक्चर देखनी है जिसमें अर्थव्यवस्था में सुधार, महंगाई और युवाओं को रोजगार प्रमुख है।

नजरिया

लोकसभा चुनाव और सामाजिक विघटन

प्रोफेसर प्रकाश गुप्ते

मोबाइल 9424811540

देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद दो चरण पूरे हो चुके हैं। पूरा देश उद्वेलित है। सत्तापक्ष अपनी विजय के प्रति आश्वस्त है। स्वस्थ लोकतंत्र में संसद में सदस्यों की संख्या महत्वपूर्ण होती है। पिछले 25-30 वर्षों के चुनाव ही याद करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जिस राजनैतिक दल के सदस्यों की संख्या अधिक है या जिसे दूसरे दलों का समर्थन है वही दल सत्ता में रहेगा। परंतु इस बार सत्तापक्ष आत्मसंतुष्ट ही नहीं आत्मनिर्भर होने से गदगद है। वह एक विशाल वटवृक्ष है जिसकी छत्रछाया में अनेक छोटे वृक्ष पल रहे हैं।

दलबदल कोई नई घटना नहीं है परंतु इस वर्ष के चुनाव में जिस तीव्र गति से विरोधी दल और उनके नेता वटवृक्ष की छाया पाने को आतुर हैं वह अभूतपूर्व है। वर्षों तक जिस व्यक्ति और दल को कोसते रहे वे वरिष्ठ नेता अपना मूल दल छोड़कर सत्तापक्ष की ओर भाग रहे हैं। इस वृत्ति के कारण अनेक हैं जैसे अपने मूल दल की कमजोरी। सिद्धांत और आदर्शों से दूर विरोधी नेता शरण मांग रहे हैं। अनुशासनहीनता, नेताओं में परस्पर ईर्ष्या, द्वेष, अपने दल की ओर से टिकट न मिलने से वटवृक्ष की छाया में आए हैं। संभव है सत्तापक्ष उन्हे कृपावन्त होकर लोकसभा का टिकट या तत्सम पद दे दे। पूर्ववर्ती दल छोड़ने का मुख्य कारण यही दिखता है। आज से पचास वर्ष पहले मध्य प्रदेश के ग्वालियर की राजमाता विजया राजे सिंधिया ने जनसंघ अपनाया। उनके प्रति सम्मान रखनेवाले नेताओं और जनता ने भी जनसंघ अपनाया। उनकी पुत्री वसुंधरा राजे वर्षों तक राजस्थान की जनसंघ की मुख्यमंत्री थी। उनकी दूसरी पुत्री यशोधरा राजे भी जनसंघ (अब भाजपा) में रही। परंतु पुत्र माधव राव सिंधिया काँग्रेस में रहे। राज परिवार की स्वस्थ, शालीन और गरिमामय परंपरा को निभाते हुए दोनों पक्षों ने कभी आलोचना नहीं की न कटुता रही। आज यह देखकर दुख होता है कि परिवारों में अपनापन, प्रेम, आदर और मधुर संबंध नहीं हैं। एक दल के शीर्षस्थ नेता अपनी पुत्री को उसी सीट से चुनाव लड़ने को भेज रहे हैं जिस पर उनके भतीजे नेता अपनी पत्नी को भेज रहे हैं। यह देख सुन कर नेताओं की बेशर्मी पर तरस आता है

भारतीय समाज की एक विश्वविख्यात विशेषता है परिवार। यह एक सदियों पुरानी संस्था है जिसमें प्रत्येक रिश्ते का अपना नाम है। इस विशाल संस्था में नाना-नानी, दादा-दादी, काका-काकी, मौसी, बुआ जैसे शब्द हैं। आज से 60-65 वर्ष पूर्व 'हम दो, हमारे दो' जैसे अभियानों ने इस संस्था को संकुचित कर दिया है। इसका अस्तित्व तो है लेकिन अवहेलना और अवमूल्यन से अपमानित है। कुछ बच्चों को काका नहीं हैं तो कुछ को मौसी नाहीं। आज के बच्चे जो कल वोटर बनेंगे ऐसे ही विचार रखेंगे क्योंकि वे यही दृश्य देख रहे हैं। इस संगठन को अर्थहीन बनाने का कारण होगा-2024 का लोकसभा चुनाव।

लोकतंत्र में लोकसभा में सदस्यों की संख्या महत्वपूर्ण होती है। सत्तासीन दल को बहुमत का पूर्ण विश्वास है। इसी के साथ विपक्ष भी होना चाहिए जो सत्तासीन दल को अपने स्वार्थ, लाभ और प्रसिद्धि के लिए कोई घोषणा, योजना या कार्य करने पर टोके,चेतावनी दे या रोके। आज विपक्ष ही संगठित नहीं है। शक्तिहीन, दिशाहीन विपक्ष आकर्षक फ़ोटो प्रचारित कर संगठित होने का प्रचार कर रहा है। कुछ नेता तो अपने क्षेत्र को अपनी पीढ़ीजाद जागीर समझ रहे हैं। कुछ दलों ने अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भी कर दिया है। यदि विपक्ष के दो दलों के उम्मीदवार आपस में लड़े स्थिति हास्यास्पद ही नहीं लज्जास्पद भी होगी।

इसी समय देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करनेवाली घोषणाओं की बाढ़ आ रही है। राज्य पर भारी कर्ज होने पर भी कई तरह के अनाज, पानी, बिजली मुफ़्त मिलेगी। शैक्षणिक सुविधाएं जैसे स्कूल, फीस, पुस्तकें मिलेंगी। स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं जैसे अस्पताल, डॉक्टर, नर्स, औषधियाँ देंगे। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री जैसे पदों के लिए भी कुछ नेता लालायित हैं। कुछ भी हो लोकसभा के 2024 के चुनाव के दौरान हम नेताओं की बातों की लड़ाई देख रहे हैं। सचमुच लोकसभा चुनाव के बाकी पांच चरण भी मनोरंजक और अभूतपूर्व होंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लांच

हैदराबाद में रविवार को करिश्मा ब्राइडल स्टूडियो में कूलेस्ट ब्राइडल कलेक्शन के लॉन्च के दौरान अभिनेत्री और मॉडल।

नेतन्याहू की सरकार ने इजराइल में 'अल जजीरा' के कार्यालयों को बंद करने का फैसला किया

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने इजराइल में कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक 'अल जजीरा' के कार्यालयों को बंद करने का फैसला किया है।

यह फैसला ऐसे वक्त हुआ है, जब कतर गाजा में युद्ध को लेकर इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते में मदद कर रहा है।

नेतन्याहू ने 'एक्स' पर इस फैसले की घोषणा की। यह फैसला कब प्रभावी होगा इस बारे में पता नहीं चल पाया है।

नेतन्याहू ने पोस्ट में कहा, मेरी सरकार ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि भडकाऊ चैनल अल जजीरा इजराइल में बंद हो जाएगा।

कतर की राजधानी दोहा स्थित 'अल जजीरा' के मुख्यालय से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। 'अल जजीरा' की अरबी सेवा के एक संवाददाता ने कहा कि इस आदेश से इजराइल और पूर्वी यरुशलम में चैनल के कामकाज पर असर पड़ेगा। 'अल जजीरा' सात अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद से लगातार युद्ध की खबरें प्रसारित करता रहा है। संवाददाता ने कहा कि इससे फलस्तीनी क्षेत्रों में 'अल जजीरा' के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 'अल जजीरा' के अंग्रेजी चैनल पर एक अन्य संवाददाता ने कहा कि इस आदेश ने चैनल को इजराइल में ''कार्यालय खुला रखने या उन्हें संचालित करने'' से रोक दिया है।

उन्होंने कहा कि 'अल जजीरा' की वेबसाइट ब्लॉक कर दी जाएंगी। हालांकि रविवार दोपहर तक यरुशलम में उन तक पहुंच जारी थी।

लोकसभा चुनाव: चंबल में डाकुओं का दौर हुआ खत्म, लेकिन जाति का मुद्दा अब भी हावी

भोपाल/भाषा। कभी बॉलीवुड की फिल्मों में डकैतों और बंदूकधारियों के गढ़ के तौर पर दिखाए जाने वाले मध्यप्रदेश के चंबल क्षेत्र में जाति का मुद्दा भी हावी रहा है, हालांकि आधुनिकीकरण के कारण यहां बदलाव देखा जा रहा है, लोगों के एक वर्ग का ऐसा मानना है।

राज्य के उत्तरी भाग में स्थित ग्वालियर-चंबल क्षेत्र उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सीमा के निकट है और इसमें तीन सीट, ग्वालियर, मुरैना और भिंड आती हैं, जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। ग्वालियर, मुरैना और भिंड (सुरक्षित) लोकसभा सीटों पर अन्य पिछड़ा वर्ग का वर्चस्व है, जहां अनुसूचित जनजाति की बड़ी आबादी है।

नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में इन तीन लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले 24 विधानसभा क्षेत्रों में से कांग्रेस ने 13 और भाजपा ने 12 सीटें जीती थीं। हालांकि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की थी।

ग्वालियर और भिंड लोकसभा सीट के तहत आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा और कांग्रेस ने चार-चार सीट जीतीं, जबकि मुरैना में कांग्रेस ने पांच और भाजपा ने चार सीट जीतीं।

शिवपुरी की तीन विधानसभा सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर भुवनेश सिंह तोमर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जातिगत भावनाएं तब भी निहित थीं, जब ग्वालियर-चंबल क्षेत्र डाकुओं, डकैतों या बागियों गढ़ हुआ करता था। तोमर ने कहा, राजनीति में जातिवाद कोई नई बात नहीं है। चंबल क्षेत्र में उन मौकों को छोड़कर यह हमेशा मौजूद रहा है, जब सिंधिया परिवार के नेताओं समेत बड़े नेताओं ने चुनाव लड़ा है। लेकिन पिछले तीन दशक में बढ़ती सड़क कनेक्टिविटी और आधुनिकीकरण के कारण बहुत सारे सामाजिक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग मुखर हो गए हैं और राजनीति में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। तोमर ने कहा, इस क्षेत्र में पिछले दो लोकसभा चुनाव भाजपा द्वारा निर्धारित विमर्श के इर्द-गिर्द लड़े गए। इस बार संकेत स्पष्ट नहीं है क्योंकि चुनाव प्रचार बहुत कम है। भाजपा उम्मीदवार पहले कमजोर दिख रहे हैं क्योंकि पार्टी ने ग्वालियर और मुरैना से उन नेताओं को मैदान में उतारा था जो पहले चुनाव हार गए थे। हालांकि तोमर ने दावा किया कि एक मजबूत संगठनात्मक ढांचे और नरेन्द्र मोदी प्रभाव से भाजपा उम्मीदवारों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि विजयपुर (मुरैना लोकसभा सीट) से पार्टी के मौजूदा विधायक रामनिवास रावत समेत कांग्रेस के कई नेता सत्तारूढ़ दल भाजपा में शामिल हो गए हैं। मुरैना में रहने वाले वकील देवेश शर्मा ने दावा किया कि पिछले तीन से चार दशक में स्थिति काफी बदली है।

उन्होंने कहा, इस क्षेत्र के लोगों के लिए पहले जाति आई और फिर राष्ट्रवाद। अपने बीहड़ों और डाकुओं के कारण इस क्षेत्र पर कई फिल्म बनीं। ये डाकू पहले ग्रामीण इलाकों में राजनीति को प्रभावित करते थे लेकिन अब वे दिन नहीं रहे। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने बताया कि उनकी पार्टी ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में आधी लोकसभा सीटें जीतेगी।

भारतीय ईवी स्टार्टअप प्रवेग ने टेस्ला के ठुकराए प्रशिक्षुओं को साथ जुड़ने का न्योता दिया

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप कंपनी प्रवेग डायनमिक्स ने वैश्विक ईवी कंपनी टेस्ला के उन प्रशिक्षुओं को प्रस्ताव भेजा है, जिनकी नौकरी के प्रस्ताव (ऑफर) को काम शुरू करने की तारीख से पहले रद्द कर दिया गया है। स्टार्टअप कंपनी ने इन प्रशिक्षुओं को 'भारत की सिलिकन वैली' से जुड़ने का प्रस्ताव दिया है, जो उनकी प्रतिभा को स्वीकार करेगी। अरबपति एलन मस्क के हालिया लागत-कटौती कार्रवाई के शिकार उनकी प्रमुख कंपनी टेस्ला इंक के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु हैं, जिनका प्रशिक्षण शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही उनके ऑफर को रद्द कर दिया गया है।

जहां कई महत्वाकांक्षी कर्मचारियों ने पेशेवरों के लिए सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर गर्मियों के लिए प्रतिस्थापन कार्यक्रम खोजने के लिए पर्याप्त समय नहीं होने पर दुख जताया वहीं प्रवेग ने मदद की पेशकश की है। प्रवेग में भागीदार शिवांगी बागरी ने अपने लिंक्डइन पेज पर लिखा, प्रवेग डायनेमिक्स में हम आपके करियर के प्रयासों में मूल्यवान और समर्थित महसूस करने के महत्व को समझते हैं।

जून के अंत तक बंद हो जाएगा कपिल शर्मा शो : कीकू शारदा

मुंबई/एजेन्सी

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' मार्च के अंत में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर शुरू हुआ था। अब इसके रैपअप की खबरें आ रही हैं। इतनी जल्दी इस शो के बंद होने को लेकर हर कोई हैरान है। कहा जा रहा है कि कम व्यूअरशिप की वजह से दिग्गज कॉमेडियन कपिल शर्मा का ये शो बंद किया जा रहा है। इस बीच, शो के मुख्य कलाकार कीकू शारदा ने रिएक्शन दी है। कीकू ने 'न्यूज 18 शोशा' के साथ कहा कि हम लोग 13 एपिसोड कर चुके हैं और दूसरा सीजन भी जल्द आएगा। हमने पहले सीजन के लिए रैपअप किया है। यह हमेशा से ऐसा ही होने वाला था। हमने अगले सीजन के लिए पहले ही प्लान कर लिया है और वह जल्द ही आएगा। यह ज्यादा बड़ा गैप नहीं होने वाला है। टेलीविजन पर यह ज्यादा लंबा चलता है लेकिन यह दूसरे फॉर्मेट की बात है। यह भी दिलचस्प है। यह अभी एक छोटा गैप है और जल्द ही दूसरा सीजन लेकर आएंगे।

यह रैपअप की तरह सुनाई दे रहा है क्योंकि हमने इसे बनाया है लेकिन यह टेंपरेरी है और हम जल्द ही फिर से शुरू करेंगे। बता दें शो की होस्ट एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेट से सीजन रैप की तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। शो की बात करें तो यह 30 मार्च से शुरू हुआ था। सबसे पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, उनकी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा कपूर साहनी आए थे। दूसरे एपिसोड में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने धमाल मचाया था। इसके बाद दिलजीत दोसांझ, परिणीति चोपड़ा और निर्देशक इम्तियाज अली अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' का प्रमोशन करने आए थे। फिर चौथे एपिसोड में कौशल बंधु विक्की और सनी पहुंचे थे। पिछले एपिसोड में सुपरस्टार आमिर खान आए थे। आमिर ने आज तक के इतिहास में पहली दफा कपिल के शो में शिरकत की और कई राज खोले। अब सनी और बॉबी देओल वाला एपिसोड आने वाला है। उल्लेखनीय है कि इस शो के माध्यम से फैंस को 6 साल के बाद कपिल और सुनील ग्रोवर की जोड़ी फिर से साथ देखने को मिल रही है।

यूनिसेफ इंडिया की नेशनल एंबेसडर बनीं करीना कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर यूनिसेफ इंडिया की नेशनल एंबेसडर बन गयी हैं। करीना कपूर खान को यूनिसेफ इंडिया ने नेशनल एंबेसडर घोषित किया है। इस बात की जानकारी करीना कपूर ने अपने फैन्स के साथ शेयर की है।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं, साथ ही उन्होंने एक लंबा नोट भी पोस्ट किया है। अपने कैप्शन के जरिए उन्होंने बताया कि ये दिन उनके लिए काफी इमोशनल रहा। करीना का कहना है कि पिछले 10 साल से वह यूनिसेफ के साथ काम कर रही हैंद्य इन 10 सालों में उन्होंने बच्चों के राइट्स के लिए काम किया है।वह आगे भी पूरी ईमानदारी के साथ यूनिसेफ से जुड़ी रहेंगी।

करीना के पोस्ट में लिखा है कि, हमने अब तक जो भी काम है, उस पर मुझे गर्व है। मैं बच्चों के राइट्स के लिए अभी भी प्रतिबद्ध हूं और आगे भी इनके लिए काम करती रहूंगी।

इसके अलावा अपनी पूरी टीम को भी थैंक्स कहना चाहती हूं।आप लोग महिलाओं और बच्चों के राइट्स के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। मैं यूनिसेफ इंडिया को भी बधाई देना चाहती हूं और भारत में बच्चों के जीवन पर उनके अविश्वसनीय प्रभाव के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाना चाहती हूं।

24 को रिलीज होगी मनोज वाजपेयी की फिल्म 'भैया जी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म 'भैया जी' 24 मई को रिली होगी। फिल्म 'भैया जी' का टीजर हाल ही में रिलीज किया है। वीडियो क्लिप में मनोज बाजपेयी को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो बदला लेना चाहता है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा सुविंदर विक्की, जतिन गोस्वामी, विपिन शर्मा और जोया हुसैन प्रमुख भूमिका निभा हैं।मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का अनाउंस किया है।मेकर्स ने बताया है कि मनोज बाजपेयी स्टारर 'भैया जी' सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मनोज बाजपेयी ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म भैया जी मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसमें लिखा है,आ रहा है रॉबिन हुड का बाप! मिलिए भैया जी से, 24 मई से आपकी नज़दीकी सिनेमा-घरों में. वायरल टीज़र में, मनोज बाजपेयी का किरदार घायल दिखाई दे रहा है. वह बीड़ी पीते हुए नजर आ रहे हैं. उनके आसपास धुएं का गुबार दिख रहा है. 'भैया जी' को विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, समीक्षा ओसवाल और शैल ओसवाल ने प्रोड्यूस किया है. मनोज बाजपेयी इस फिल्म को को-प्रोड्यूसर भी हैं। फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है।

फिल्म 'दीदी नंबर 1' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री रानी चटर्जी और देव सिंह की आने वाली फिल्म दीदी नंबर 1 की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म दीदी नंबर 1 के सेट से कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं, जिसमें देव सिंह और रानी चटर्जी की शादी का सीक्वेंस दिख रहा है। इस फिल्म के निर्माता हाईक्यू और बी4यू के संदीप सिंह और अरविंद अग्रवाल हैं, जबकि निर्देशक प्रवीण कुमार गुड्डरी हैं। फिल्म की कहानी सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई है। फिल्म का निर्माण इन दोनों जोर-जोर से चल रहा है। फिल्म को लेकर रानी चटर्जी ने कहा कि यह फिल्म मेरे दिल के करीब है और उम्मीद करती हूं कि जब फिल्म रिलीज हो तब आप सभी अपने परिवार के साथ से सिनेमाघर में जाकर देखें। खूब सारा प्यार दें। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के गाने और संवाद बेहद मजेदार हैं। देव सिंह ने कहा कि यह घर परिवार की फिल्म है और इसकी कहानी बेहद फ्रेश है। फिल्म में मेरी भूमिका की महत्वपूर्ण है। रानी चटर्जी मेरे अपोजिट नजर आ रही हैं। हम सभी मिलकर एक शानदार फिल्म के निर्माण को की जान से लगे हुए हैं। यह फिल्म जब रिलीज होगी, तब सबों को खूब पसंद आएगी। फिल्म दीदी नंबर 1 के कार्यकारी निर्माता सुभाष चौहान है। फिल्म में देव सिंह और रानी चटर्जी के साथ आर्यन बाबू, अनूप अरोरा, अमित शुक्ला, कबीर ईशु और श्रद्धा नवल मुख्य भूमिका में है।

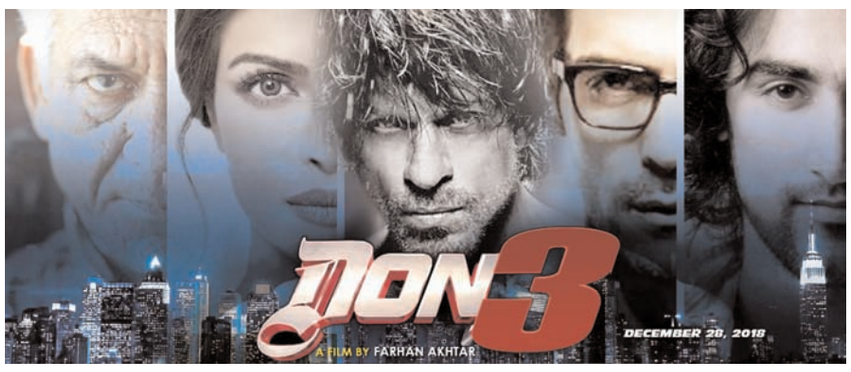

अगले वर्ष शुरू होगी फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 की शूटिंग फरवरी 2025 में शुरू हो सकती है। फरहान अख्तर अपनी सुपरहिट फिल्म 'डॉन' का तीसरा पार्ट लेकर आ रहे हैं।

यह फिल्म वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म 'डॉन' की फ्रेंचाइजी है। पहली 'डॉन' में शाहरुख के साथ प्रियंका चोपड़ा नजर आई थीं। इसके बाद वर्ष 2011 में प्रदर्शित डॉन के सीक्वल में भी शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा की जोड़ी नजर आयी।

अब 'डॉन 3' आ रही है, जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी की अहम भूमिका है। कहा जा रहा है कि 'डॉन 3' की शूटिंग अगले साल फरवरी महीने में शुरू होगी। रणवीर सिंह इस फिल्म की शूटिंग से पहले अपनी अपकमिंग फिल्म 'राक्षस' की शूटिंग पूरी करेंगे। फरहान अख्तर 'डॉन 3' की लोकेशन के सिलसिले में लंदन में हैं।

मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं हैं : सायंतनी घोष

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस सायंतनी घोष, जो वर्तमान में शो 'दहेज दासी' में नजर आ रही हैं, ने बताया है कि उन्हें अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है, वह स्थिरता पसंद करती हैं। वर्ष 2005 में एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह कमाई का एक नियमित स्रोत भी प्रदान करता है। सायंतनी ने कहा, मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है और मैं कुछ स्थिरता चाहती हूं। बीस साल तक सचमुच कड़ी मेहनत करने के बाद, मैं अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर आराम करना पसंद करती हूं। अगर मैं किसी खास शो और भूमिका से खुश हूं, और वह कई साल तक चलता है, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात है।''उन्होंने आगे कहा, डेली सोप का मतलब निश्चित रूप से लगातार काम करना है, लेकिन जीवन के हर दूसरे पहलू की तरह, हर चीज के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। बहुत से लोग लगातार काम करने या काम के घंटों की संख्या के बारे में शिकायत करते हैं, लेकिन इसके साथ इसके फायदे भी हैं। यह आमदनी का एक नियमित स्रोत है। यह रेगुलर रोजगार की तरह है, और इस तरह वित्तीय सुरक्षा भी मिलती है।''

उन्होंने कहा, यह टिकाऊ है, क्योंकि जब किसी अन्य फॉर्मेट की बात आती है, तो आप एक प्रोजेक्ट करते हैं और फिर एक डाउनटाइम होता है। लेकिन जब आप डेली सोप से जुड़े होते हैं, तो यह काफी समय तक चलता है। मुझे लगता है कि यह एक फायदा है।'' सायंतनी का मानना है कि यह सिर्फ एक शो के बारे में नहीं है, यह एक पूरी टीम के बारे में है जिसके साथ एक एक्टर काम करता है, और जो उनकी वर्क फैमिली बन जाती है। सायंतनी ने कहा, यह सिर्फ आपका रोल या आपका शो नहीं है। वह यूनिट भी मायने रखती है जिसके साथ आप काम करते हैं। इसमें हर कोई शामिल है, चाहे वह आपका मेकअप आर्टिस्ट हो, आपकी हेयर टीम हो, स्पॉट दादा हों, निर्देशक हों या को-एक्टर्स हों, वे लोग एक परिवार बन जाते हैं। यह वर्षों तक जारी रहता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत अच्छी स्थिति है क्योंकि यह मुझे निरंतरता प्रदान करता है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | सोमवार | 06-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तुमकूर रोड स्थित भिक्षु धाम में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी का मंगल पदार्पण हुआ। साध्वीश्री की निश्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशित व्यक्तिव विकास कार्यशाला 'धन और धर्म' में साध्वीश्री ने श्रावक जीवन में धन को अर्जन करने में प्रमाणिकता रखने के प्रेरणा दी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बापूजीनगर स्थित मुनिश्वेरा देवस्थान ट्रस्ट एवं स्वामी विवेकानंद युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में अण्णमा देवी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर पौराणिक नाटक कुरुक्षेत्र का मंचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

अलसूर का फूल पालकी उत्सव बना रहा आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अलसूर का सुप्रसिद्ध फूल पालकी उत्सव रविवार कोसम्पन्न हुआ। इस पालकी वार्षिक उत्सव में अलसूर एवं आसपास के सौ से ज्यादा मंदिरों की प्रतिमाएं फूलों से कलाकारी के साथ आकर्षक रुप से सजे अपने अपने रथों में विराजमान हो कर वाद्य यंत्रों के साथ नगर परिक्रमा करते हुए शामिल हुई। स्थानीय सुप्रसिद्ध सोमेश्वरस्वामी मंदिर एवं नगरदेवी केम्पम्मा मंदिर के तत्वावधान में आयोजित इस पालकी उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। अनेक समाजसेवी संस्थाओं ने इस उत्सव में अनेक प्रकार की सेवाएं प्रदान की।

वर्तमान जीवन शैली में धन और धर्म का संतुलन जरुरी : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुमकूर रोड स्थित भिक्षु धाम में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी का मंगल पदार्पण हुआ। साध्वीश्री की निश्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद निर्देशित व्यक्तिव विकास कार्यशाला 'धन और धर्म' में साध्वीश्री ने श्रावक जीवन में धन को अर्जन करने में प्रमाणिकता रखने के प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि धर्म ज्ञान, दर्शन और तप की निष्पति है। संयममय जीवन जीना धन और धर्म के मर्म में संतुलन कर सकता है। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से कार्यशाला में उपस्थित लोगों को प्रेरणा प्रदान की। साध्वीश्री मलययशाजी ने कहानी के माध्यम से सुखी जीवन में संतोष का महत्व बताया। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने जरूरत, आराम और विलासिता में फर्क बताते हुए विलासिता को छोड़ने की प्रेरणा दी।

इस कार्यशाला का शुभारंभ युवक परिषद अध्यक्ष राकेश पोखरणा के स्वागत से हुआ। उन्होंने कहा कि युवा धन के पीछे जाते है तो धर्म छूटता है और धन के पीछे जाते है तो धर्म। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार से राकेश दक, विकास बांठिया, प्रबंध मंडल से प्रवीण गन्ना, रौनक चौरडिया सहित स्थानीय संस्थाओं के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री कमलेशचोपड़ा ने किया। आभार सहमंत्री संजय जी भटेवरा ने किया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी विजयनगर में चातुर्मास हेतु बेंगलूरु आई हैं। सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया आदि ने साध्वियों का स्वगात किया। कार्यक्रम का संचालन महिला मंडल उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया ने किया।

'टाइम्स स्क्वायर' पर 500 से अधिक महिलाओं ने भिन्न शैलियों की साड़ियों का प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा। न्यूयॉर्क का प्रतिष्ठित 'टाइम्स स्क्वायर' सैकड़ों महिलाओं की भिन्न प्रकार और शैलियों की साड़ियों से सजा दिखायी दिया तथा भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ ही अन्य देशों की सैकड़ों महिलाओं ने यहां एक विशेष कार्यक्रम में साड़ियों की शाश्वत सुंदरता, विरासत और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया।

'टाइम्स स्क्वायर' में शनिवार को आयोजित 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ ही कम से कम उन नौ देशों की 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया जहां नौ गज का यह परिधान लोकप्रिय है तथा उसे पसंद किया जाता है। इन देशों में बांग्लादेश, नेपाल, ब्रिटेन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, त्रिनिदाद और गुयाना शामिल हैं।

खादी सहित विभिन्न प्रकार के कपड़ों पर उत्कृष्ट कढ़ाई एवं शैलियों वाली रंग-बिरंगी साड़ियां पहनी हुईं महिलाओं ने गर्व से अपने संग्रह का प्रदर्शन किया, राष्ट्रीय ध्वज लहराए, एक साथ नृत्य किया, तस्वीरें लीं और अपनी साड़ियों, संस्कृति तथा विरासत के बारे में कहानियां साझा कीं।

यह कार्यक्रम 'ब्रिटिश वुमेन इन साड़ी' ने उमा संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया जिसमें संगीत, नृत्य और साड़ी 'वॉकथन' के जरिए साड़ी की शाश्वत सुंदरता का प्रदर्शन किया गया।

इसका उद्देश्य दुनियाभर में कार्यक्रम आयोजित कर भारत में हथकरघा कलाकारों की मदद करते हुए साड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

उमा ग्लोबल की अध्यक्ष डॉ. रीता ककाती-शाह और 'ब्रिटेन वुमेन इन साड़ी' की चेयरपर्सन डॉ. दीप्ति जैन ने दुनियाभर में एकता और महिला सशक्तीकरण के प्रतीक के तौर पर साड़ी की महत्ता पर जोर दिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 200 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दि कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स स्टेशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने रविवार को अक्कीपेट स्थानक में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें 200 लोग लाभान्वित हुए। शिविर के सहयोगी जी-1 हेल्थ केयर के दिलीप चौहान और अक्कीपेट स्थानक के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद नेनावत, उपाध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, सचिव विक्रम श्रीमाल, सहसचिव हुलास कुमार, कोषाध्यक्ष रमेश सालेचा, सोशल चेयरमैन संजय भंसाली ने व्यवस्था में सहयोग किया।

जीवन को कितना नहीं, कैसे जीया यह महत्त्वपूर्ण है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दिगम्बर संत आचार्यश्रेष्ठ प्रसन्नसागरजी, उपाध्यय पीयूषसागरजी श्रावक श्राविकाओं ने साथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा करते हुए रामनगर के शंकेश्वर पार्श्वनाथ, धरणेंद्र पद्मावती तीर्थ पहुंचे। संघ की आहारचर्या, स्वाध्याय, गुरुपूजा सम्पन्न हुई। शाम का पद विहार करते हुए आचार्य श्री संघ सहित बिड़दी के राजकीय आदर्श वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय पहुँचे, जहाँ गुरुभक्ति, प्रतिक्रमण, आरती संपन्न हुई। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी ने कहा कि जीवन की बहुमूल्य श्वासें अनमोल है। हमने जीवन कितने साल जिया यह महत्व की बात नहीं है, जीवन को आपने कितनी गहराई से जिया, इस बात का मूल्य है। यह जीवन अंजुली में भरे पानी जैसा है , पता नहीं कब किस क्षण खाली हो जाए। जन्म हुआ है तो मरण अवश्य होगा, यदि प्रातः हुई तो साँझ अवश्य होगी । बसंत आते हैं, चले जाते हैं जीवन आता है, बिखर जाता है। फूल खिलता है और सांझ को धूल में मिल जाता है। अगर इस क्षणभंगुरता का सतत स्मरण बना रहे तो शाश्वत की खोज पैदा हो सकती है। अतः अमूल्य जीवन को घृणा, द्वेष में यूँ ही नहीं गंवाना चाहिए। प्रवर्तकमुनि सहजसागरजी ने मन, वचन, काया के संयम रखने की प्रेरणा दी। सोमवार को आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज संघ सहित राजाराजेश्वरी नगर के तेरापंथ सभा भवन पहुंचेंगे।

विजयनगर स्थानक में दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर सम्पन्न हुआ। संघ के मंत्री एवं ज्ञानशाला के चेयरमैन कन्हैयालाल सुराना ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा कि इस दूषित एवं पाश्चात्य संस्कृति के वातावरण से बचने के लिए एक मात्र रास्ता अपनी भावी पीढ़ी को संस्कारित करने एवं धर्म से जोड़ने का है। ज्ञानशाला के मुख्य प्रबंधक पंकज मेहता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए ज्ञानशाला के अनुशासन व गतिविधियों तथा भावी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी। सह प्रबंधक शंकरलाल दक ने दस दिवसीय शिविर की व्यवस्था संभाली। ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। ट्रस्ट के वरिष्ठ श्रावक वसंतराज रांका तथा जैन कान्फ्रेंस के प्रान्तीय अध्यक्ष पुखराज मेहता ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़, कोषाध्यक्ष पन्नालाल कोठारी, कांतिलाल गाँधी, विजयनगर ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, उपाध्यक्ष गौतमचंद दक, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद ख़ाब्या, सहमंत्री सुनील लोढा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे। शिविर में भाग लेने वाले बच्चों ने ज्ञानशाला की आवश्यकता पर आधारित नाटिका का मंचन किया। बच्चों ने शिविर में सीखे गये ज्ञान,संस्कार के बारे में अपने विचार साझा किए। सभी अध्यापिकाओं को स्वाध्याय संघ की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद दिया गया।

बगैर लक्ष्य का व्यक्ति करता तो बहुत है, पर पाता कुछ नहीं : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महालिंगपुर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर जैन संघ में आयोजित प्रवचन में आचार्य श्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि जीवन में अवसर की प्रतिक्षा करते रहने के बजाय, बेहतर है आप स्वयं अवसर का निर्माण करने की पहल करें। प्रमाद आलस में समय बरबाद न कीजिए।

घड़ी बांधने की सार्थकता तभी है जब आप समय पर चलने की कोशिश करें। हर दिन की शुरुआत प्रसन्न मन के साथ कीजिए। आलस छोडकर जीवन को लक्ष्य बनाइए, बगैर लक्ष्य का व्यक्ति करता तो बहुत है, पर पाता कुछ नहीं। रविवार को बेलगावी संघ के ट्रस्ट्रियों ने अक्षय तृतीया पर्व की आराधना के लिए निश्रा प्रदान करने हेतु आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी से निवेदन किया।

कंगना का अभियानः मंदिरों में दर्शन, प्रशंसकों के साथ ली सेल्फी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ रहीं अभिनेत्री कंगना रनौत प्रचार के दौरान मीडिया से भले ही दूरी बनाए रखती हैं, लेकिन आम मतदाताओं के साथ काफी घुलमिल कर बातें करती हैं और कभी-कभी उनके साथ नृत्य करती भी दिखाई देती हैं। इसके साथ ही वह लोगों से उनकी स्थानीय भाषा बोली में बातचीत करती हैं और उनके सेल्फी अनुरोधों को भी स्वीकार करती हैं।

वह अब तक छोटी सभाओं और रोड शो पर ध्यान केंद्रित करती रही हैं, जहां लोग पहले उन्हें करीब से देखने और फिर क्लीन स्टार के साथ फोटो खिंचवाने की कोशिश करते हैं।

रनौत को भाजपा ने मंडी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। यह पहली बार है जब बॉलीवुड की कोई हस्ती हिमाचल प्रदेश से चुनाव लड़ रही है।

वह मंडी की रहने वाली हैं और प्रचार अभियान के दौरान स्थानीय महिलाओं के साथ उनके नृत्य करने तथा मंदिर जाने के उनके वीडियो वायरल हो गए हैं। वह अकसर लोगों से उनकी स्थानीय बोली में बातचीत करती हैं और इस बात पर जोर देती हैं कि वह मंडी की बेटी हैं।

भाजपा नेताओं का कहना है कि रनौत के प्रचार अभियान की शुरुआत स्थानीय देवताओं के मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ होती है। वह अपने अभियान में विशेषकर महिला मतदाताओं के बारे में बात करती हैं जो राज्य के कुल मतदाताओं का लगभग 49 प्रतिशत हैं। वह अपने अभियान में युवाओं की भी बात करती हैं।

मंडी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत मनाली में हाल में एक चुनावी रैली में रनौत ने परोक्ष रूप से कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और विक्रमादित्य सिंह पर हमला करते हुए कहा था कि दिल्ली में एक बड़ा पप्पू है और यहां एक छोटा पप्पू है।

हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह मंडी संसदीय सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी हैं। वह छह बार मुख्यमंत्री रहे दिवंगत वीरभद्र सिंह और वर्तमान प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह के बेटे हैं।

संबोधन

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी तेलंगाना स्टेट यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (टीयूडब्ल्यूजे) को मीट-द-प्रेस कार्यक्रम में संबोधित करते हुए।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने चुनावी प्रदर्शन के बाद 'हमेशा की तरह कड़ी मेहनत' करने का वादा किया

लंदन/भाषा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने निराशाजनक चुनाव परिणामों के बाद रविवार को हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करने का वादा किया। इन चुनावों में उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को कई स्थानीय प्राधिकारों में हार का सामना करना पड़ा और यहां तक कि इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में मेयर पद भी गंवा दिया। भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता ने उस वक्त अपनी निराशा व्यक्त की जब वेस्ट मिडलैंड्स के पार्टी के लोकप्रिय मेयर एंडी स्ट्रीट, लेबर प्रतिद्वंद्वी रिचर्ड पार्कर से बेहद करीबी मुकाबले में मात्र 1,508 वोटों से हार गए। मतों के कम अंतर को देखते हुए यहां पुनर्मतगणना का आदेश भी दिया गया था। सुनक के लिए बेन हाउचेन के रूप में उम्मीद की एकमात्र किरण बची जिन्होंने लेबर पार्टी के नेतृत्व में विपक्षी दलों की जीत के बीच शुक्रवार को टीज वैली में पार्टी की तरफ से मेयर पद पर कब्जा किया। नतीजों के बाद सुनक ने एक बयान में कहा, ... हम लेबर पार्टी से मुकाबला करने और अपने देश को बेहतर भविष्य देने के लिए हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रजत जयंती समारोह

हुब्बल्ली के शांतिनाथ हिन्दी हाईस्कूल के 1997-98 के विद्यार्थियों ने करीबन 25 वर्ष के अन्तराल के बाद पुनः स्कूल परिसर में पहुंच कर दोस्ती का रजत जयंती समारोह मनाया। इस अवसर उपस्थित अनेक सहपाठियों ने स्कूल के दिनों की यादे ताजा की। स्नेहमिलन के संयोजक संजय सेठ ने यह जानकारी दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com